धनबाद
सोमवार 29.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-127 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-15
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों का

नियुक्ति-पत्र

वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधाकृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग, झारखण्ड

29 जून, 2026 | अपराह्न 1:00 बजे
टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची

PR 383463 (School Education and Literacy) 26-27

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

संपादकीय

लखनऊ जैसे हादसे चिंताजनक...

जैसे ही कोई हादसा होता है, धड़ाधड़ सूचनाएं आने लगती हैं कि कैसे नियमों के अनुपालन में कोताही बरती गई और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। भवन निर्माण की मंजूरी, सुरक्षा मानकों के अनुपालन, निरीक्षण तंत्र, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और विभिन्न विभागों की लापरवाही को लेकर असंख्य तथ्य सामने आने लगते हैं। लखनऊ के अलीगंज हादसे को लेकर भी खबरें आ रही हैं। नियमों के अनुपालन में सख्ती के दावे अधिकारी कर रहे हैं। कई स्तर पर कार्रवाई की सूचनाएं प्रशासन जारी कर रहा है। अहम सवाल है कि अगर खामियों के बारे में पहले से सब कुछ पता रहता है, तो किस मजबूरी में प्रशासन ने इस मामले में अब तक आंखें बंद कर रखी थीं? ऐसे हादसों में नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठते हैं। कुछ दिनों तक जांच चलती है और खामोशी छा जाती है। जांच में ऐसी कोताही अस्वीकार्य होनी चाहिए। दरअसल, इस तरह के हादसे मौजूदा दौर में सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द फलती-फूलती शिक्षा अर्थव्यवस्था, अनियोजित शहरी विस्तार और नियमन की विफलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। कम पूंजी निवेश में मोटे मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। ऐसे उल्लंघन पूरे भारत में आम हैं, जहां व्यावसायिक और शैक्षिक प्रतिष्ठान बुनियादी सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी कर रहे हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि लगभग एक दशक पहले कथित अनधिकृत निर्माण के आरोप में अलीगंज की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसे एलडीए आवास योजना के तहत आवंटित किया गया और

बाद में बेचा गया था। इसे 2014 में आवासीय संरचना के रूप में मंजूरी दी गई थी।

एलडीए ने अवैध निर्माण का पता चलने पर मई 2016 में गिराने का आदेश जारी किया, लेकिन दो महीने के भीतर ही आदेश वापस ले लिया। इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं कि विध्वंस के आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? इसे वापस क्यों लिया गया? लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं। अधिकांश योजनाओं और भवन उपनियमों में मिश्रित उपयोग वाले निर्माण की अनुमति दी जाती है, बशर्ते ऐसी इमारतें अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करती हों। लखनऊ के हादसे से स्पष्ट है कि दशकों तक गैर-कानूनी तरीके से आवासीय इमारत में कोचिंग संस्थान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रहीं और प्रशासन सोता रहा। आए दिन होने वाले अग्निकांड से कोई सबक नहीं सीखा गया। प्रत्येक आपदा से मिलने वाले सबक सीमित रह जाते हैं। घटना के तुरंत बाद इमारत को सील करने और नोटिस देने का जो सिलसिला शुरू होता है, वह महज एक नियमित प्रक्रिया है। जांच की कवायद कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चली जाती है।

बीते कुछ महीनों में कोचिंग संस्थानों, होटलों और इसी तरह के प्रतिष्ठानों में लगी आग की कई घटनाएं सामने आई हैं। व्यापक रूप से चर्चा उन हादसों को लेकर हुई है, जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ। हादसे छोटे हों या बड़े - किसी भी मामले में अगर कोताही न बरती जाए, नियमों को लेकर सख्ती की जाए, तो काफी हद तक ऐसे हादसों को टाला जा सकता है। जरूरत गंभीरता से कार्रवाई करने की है।

नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी

आज हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां चंद रुपये के लिए किसी की हत्या कर दी जाती है। यह कानून व्यवस्था का मसला जरूर है, लेकिन इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को लगातार अनदेखा किया गया है। चिंता की बात है कि बच्चों का स्वभाव भी अब उग्र होता जा रहा है। मामूली बातों पर आपा खो देना सामान्य बात हो गई है। दिल्ली में एक बार फिर महज कुछ रुपये के लिए एक व्यक्ति की हत्या समाज की मनोदशा की स्याह तस्वीर सामने रखती है। खबरों के मुताबिक, पिछले दिनों राजधानी के तिलक नगर इलाके में मात्र डेढ़ सौ रुपये के विवाद में तीन नाबालिगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। नाबालिगों में इस तरह बढ़ रहे दुस्साहस की वजह जानने की आवश्यकता है। दिल्ली में स्थानीय निकाय से लेकर राज्य और केंद्र तक- तीन इंजन की सरकार होने और पुख्ता सुरक्षा के दावों के बीच इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर यहां पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चे हथियार लेकर चल रहे हैं, यह कानून व्यवस्था संभालने वालों की

भी लापरवाही है। इस तरह के अपराध से नागरिकों के मन में असुरक्षा का बोध बढ़ेगा। वैसे भी आत्मकेंद्रित हो रहे समाज में अब कोई किसी को बचाने के लिए आगे नहीं आता। हालांकि तिलक नगर में हुई हत्या के मामले में आरोपी तीन किशोरों को दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटे में पकड़ लिया, लेकिन सवाल है कि नाबालिगों के हाथों में चाकू जैसे घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं? गौरतलब है कि दिल्ली में पहले भी इसी तरह महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। ताजा मामले में बताया गया कि पीड़ित ने जबरन एक किशोर से डेढ़ सौ रुपये लिए थे, जिसे वह वापस नहीं कर रहा था। इस तरह की घटनाओं से स्पष्ट है कि हम किशोरों को सामाजिक मूल्यों का पाठ नहीं पढ़ा पाए हैं। नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है।

आज का कार्टून

आखिर क्या है भारतीय नागरिकता का प्रमाण?

फिलहाल भारत में नागरिकता साबित करने के लिए कोई एक सार्वभौमिक दस्तावेज तय नहीं है। कानूनी तौर पर नागरिकता का सबसे मजबूत प्रमाण भारत सरकार द्वारा जारी नागरिकता प्रमाण पत्र माना जाता है, जो पंजीकरण या भारत की नागरिकता हासिल करने की सरकारी प्रक्रिया के आधार पर नागरिक बने लोगों को दिया जाता है। इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र, माता पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज, निवास और वंश संबंधी अभिलेख, पुराने सरकारी रिकॉर्ड, भूमि रिकॉर्ड, स्कूल प्रमाण पत्र तथा नागरिकता प्राप्ति से संबंधित सरकारी दस्तावेज भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। विभिन्न सरकारी स्पष्टीकरणों और न्यायालयीय टिप्पणियों में यह कहा गया है कि आधार, पैन, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट मुख्य रूप से पहचान या यात्रा दस्तावेज हैं, लेकिन अपने आप में नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माने जाते। हालांकि व्यवहारिक स्तर पर पासपोर्ट और मतदाता पहचान पत्र को कई सरकारी प्रक्रियाओं में भारतीय नागरिक होने के संकेतक के रूप में स्वीकार किया जाता है।

नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली में पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय की ओर से दिए गए एक बयान ने देशभर में नागरिकता से जुड़ी बहस को फिर तेज कर दिया है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा दस्तावेज है और इसे नागरिकता के प्रमाण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट विदेश में भारतीयों की राष्ट्रीयता की पुष्टि करता है, लेकिन यह नागरिकता का दस्तावेज नहीं है। इस बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया और लोग यह पूछने लगे कि यदि पासपोर्ट, आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र भी नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो फिर भारत में नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज मान्य है?

विदेश मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण भले ही पहले के न्यायालयीय निर्णयों के अनुरूप माना जा रहा हो, लेकिन इसका समय काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल हाल के वर्षों में नागरिकता को लेकर देश में लगातार बहस चल रही है, विशेषकर निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के संदर्भ में। बिहार में इसी मामले की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय की पीठ ने भी कहा था कि आधार का उपयोग केवल पहचान के प्रमाण के रूप में किया जा सकता है, नागरिकता के प्रमाण के रूप में नहीं।

अब विदेश मंत्रालय के बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। एक उपयोगकर्ता ने भारतीय पासपोर्ट की तस्वीर साझा करते हुए पूछा कि जब उसमें राष्ट्रीयता भारतीय लिखी हुई है, तो फिर उसे नागरिकता का प्रमाण क्यों नहीं माना जा रहा? कई अन्य लोगों ने सवाल उठाया कि यदि पासपोर्ट, आधार और मतदाता पहचान पत्र भी पर्याप्त नहीं हैं, तो आखिर नागरिकता सिद्ध करने का आधार क्या होगा। कुछ लोगों ने इस बयान को विचित्र और भ्रम पैदा करने वाला बताया। उनका कहना था कि विदेशों में भारतीय होने की पहचान देने वाला दस्तावेज यदि देश के भीतर ही मान्य नहीं माना जाएगा, तो इससे लोगों में असमंजस और बढ़ेगा।

इस विवाद के बीच सरकार की प्रेस सूचना इकाई का वर्ष 2019 का एक पुराना प्रश्नोत्तर भी चर्चा में आ गया। राष्ट्रीय नागरिक पंजी से जुड़े उस प्रश्नोत्तर में कहा गया था कि जन्म तिथि और जन्म स्थान से संबंधित दस्तावेजों के आधार पर नागरिकता साबित की जा सकती है, हालांकि ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है। यही कारण है कि अब लोगों के बीच यह भ्रम और गहरा गया है कि आखिर कौन-सा दस्तावेज कानूनी रूप से नागरिकता सिद्ध करने के लिए पर्याप्त माना जाएगा?

इस बीच, विपक्षी दलों ने भी विदेश मंत्रालय के बयान को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो फिर कौन-सा दस्तावेज है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि किसी बूथ स्तर के अधिकारी को किसी व्यक्ति की नागरिकता पर संदेह हो जाए, तो उसे मतदान के अधिकार से भी वंचित किया जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने तंज कसते हुए कहा कि आज के समय में भारतीय नागरिकता का प्रमाण शायद केवल यह रह गया है कि कोई व्यक्ति हिंदू हो और भारतीय जनता पार्टी का मतदाता हो।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने विदेश मंत्रालय के बयान को हास्यास्पद बताते हुए पूछा कि पासपोर्ट जारी करने से पहले पुलिस आखिर किस बात का सत्यापन करती है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या भारत गैर भारतीयों को भी यात्रा दस्तावेज के रूप में

पासपोर्ट जारी करता है। ठाकरे ने आशंका जताई कि इस तरह के बयान से अन्य देशों के मन में भी संदेह पैदा हो सकता है कि कहीं भारतीय पासपोर्ट गैर भारतीयों को तो नहीं दिया जाता। उन्होंने विदेश नीति को लेकर भी सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि इस प्रकार के बयान से देश की छवि प्रभावित हो सकती है।

कांग्रेस की केरल इकाई ने भी व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि आधार केवल एक कार्ड है, पैन खाना पकाने के लिए है, मतदाता पहचान पत्र केवल दिखाने के लिए है और आयकर विवरणी केवल आय लौटाने के लिए है। पार्टी ने इस पूरे विवाद को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

उधर, विदेश मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी कहा कि पासपोर्ट जारी करने से पहले विभिन्न सरकारी एजेंसियों के दस्तावेजों के आधार पर विस्तृत जांच की जाती है। मंत्रालय ने नए चिप आधारित ई पासपोर्ट की विशेषताओं का भी उल्लेख किया, जिनमें जैविक पहचान संबंधी सूचनाएं शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन उपायों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पासपोर्ट की स्वीकार्यता बढ़ाना और धोखाधड़ी की आशंका को कम करना है।

हालांकि विदेश मंत्रालय की कानूनी व्याख्या स्पष्ट है, लेकिन इस बयान ने एक बार फिर देश में नागरिकता और पहचान से जुड़े दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर व्यापक बहस को जन्म दे दिया है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि सरकार भविष्य में नागरिकता प्रमाणन को लेकर कोई स्पष्ट नीति या दिशा-निर्देश जारी करती है या नहीं। वैसे हम आपको यह भी बता दें कि दुनिया के कई देशों में पासपोर्ट को नागरिकता के मजबूत प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता है, हालांकि वहां भी इसे हर परिस्थिति में अंतिम और निर्विवाद प्रमाण नहीं माना जाता। अमेरिका में सरकारी दिशा निर्देशों के अनुसार वैध अमेरिकी पासपोर्ट नागरिकता के प्राथमिक प्रमाणों में शामिल है। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जाता है, लेकिन वहां अलग से नागरिकता प्रमाण पत्र की व्यवस्था भी मौजूद है। ब्रिटेन में भी पासपोर्ट को राष्ट्रीयता का प्रथम दृष्टया प्रमाण माना जाता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय कानून और कई देशों की कानूनी व्यवस्थाओं में यह सिद्धांत प्रचलित है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा दस्तावेज होता है और नागरिकता का अंतिम निर्णय संबंधित सरकारी अभिलेखों तथा नागरिकता प्रमाण पत्रों के आधार पर किया जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो दुनिया के अधिकतर देश व्यवहारिक स्तर पर पासपोर्ट को नागरिकता के विश्वसनीय प्रमाण के रूप में स्वीकार करते हैं, जबकि बहुत कम देश ऐसे हैं जो भारत की तरह स्पष्ट रूप से यह कहते हैं कि पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज है और अपने आप में नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।''

बहरहाल, अंत में यह समझना जरूरी है कि फिलहाल भारत में नागरिकता साबित करने के लिए कोई एक सार्वभौमिक दस्तावेज तय नहीं है। कानूनी तौर पर नागरिकता का सबसे मजबूत प्रमाण भारत सरकार द्वारा जारी नागरिकता प्रमाण पत्र माना जाता है, जो पंजीकरण या भारत की नागरिकता हासिल करने की सरकारी प्रक्रिया के आधार पर नागरिक बने लोगों को दिया जाता है। इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र, माता पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज, निवास और वंश संबंधी अभिलेख, पुराने सरकारी रिकॉर्ड, भूमि रिकॉर्ड, स्कूल प्रमाण पत्र तथा नागरिकता प्राप्ति से संबंधित सरकारी दस्तावेज भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। विभिन्न सरकारी स्पष्टीकरणों और न्यायालयीय टिप्पणियों में यह कहा गया है कि आधार, पैन, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट मुख्य रूप से पहचान या यात्रा दस्तावेज हैं, लेकिन अपने आप में नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माने जाते। हालांकि व्यवहारिक स्तर पर पासपोर्ट और मतदाता पहचान पत्र को कई सरकारी प्रक्रियाओं में भारतीय नागरिक होने के संकेतक के रूप में स्वीकार किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नागरिकता से जुड़े विवाद की स्थिति में व्यक्ति को कई दस्तावेजों का संयुक्त आधार प्रस्तुत करना पड़ सकता है, विशेषकर जन्म तिथि, जन्म स्थान और पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंधित अभिलेख।

देश संविधान से चलता है...

अगर भारत में रहकर किसी को पाकिस्तान का कानून, शरिया आधारित व्यवस्था या कुरान के नाम पर चलने वाला शासन इतना ही पसंद है, तो सबसे पहले उसे भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था का लाभ उठाना बंद कर देना चाहिए और उसी देश में जाकर बस जाना चाहिए जिसकी व्यवस्था की वह इतनी खुलकर वकालत कर रहा है। भारतीय संविधान की शपथ लेकर चुनाव जीतना, विधायक बनकर लोकतंत्र के मंदिर में पहुंचना और फिर उसी सदन में खड़े होकर पाकिस्तान जैसे देश के कानून की तारीफ करना केवल गैर जिम्मेदाराना नहीं, बल्कि देश की संवैधानिक आत्मा का अपमान है।

नीरज कुमार दुबे

शर्मनाक बात यह है कि यह बयान किसी कट्टरपंथी संगठन के मंच से नहीं, बल्कि महाराष्ट्र विधानसभा के भीतर भाजपा की सहयोगी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सना मलिक ने दिया।

हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा में समान नागरिक संहिता, तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा अचानक उस समय भड़क उठी जब सना मलिक ने खुलेआम कहा कि भारत में भी पाकिस्तान की तरह इस्लामिक कानून लागू होना चाहिए। उन्होंने कुरान और मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए बहुविवाह और तीन तलाक का समर्थन किया। यह बयान उस समय आया जब सदन में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों और उनके साथ हो रहे अत्याचारों पर गंभीर चर्चा चल रही थी।

पूरा मामला भाजपा विधायक देवयानी फरांदे द्वारा नियम 105 के तहत प्रस्तुत ध्यानाकर्षण नोटिस से शुरू हुआ। उन्होंने सदन में कहा कि केंद्र सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून बनाया, लेकिन महाराष्ट्र में उसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि मुस्लिम महिलाओं को आज भी बहुविवाह, घरेलू हिंसा और तलाक जैसी समस्याओं से गुजरना पड़ रहा है। देवयानी फरांदे ने बताया कि पिछले डेढ़ महीने में तीन मुस्लिम महिलाएं सहायता के लिए उनके पास पहुंचीं। किसी महिला को अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई, तो किसी के पति ने उस पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर समान नागरिक संहिता कब लागू होगी और इसके लिए क्या विशेष कार्यबल बनाया जाएगा?

लेकिन मुस्लिम महिलाओं के दर्द और उनके अधिकारों की चर्चा के बीच सना मलिक ने जिस तरह पाकिस्तान और इस्लामिक कानून का समर्थन किया, उसने पूरे सदन का माहौल गरमा दिया। सना मलिक ने कहा कि पाकिस्तान ने कोई नया कानून नहीं बनाया, बल्कि कुरान में जो व्यवस्था दी गई है, उसका पालन किया है और भारत को भी पाकिस्तान की तरह कुरान के नियमों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बहुविवाह केवल मुस्लिम समाज में नहीं, बल्कि हर धर्म में होता है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह तक कह दिया कि मुसलमानों में बहुविवाह का तरीका सिखाया गया है और उसका पालन होना चाहिए, इसके लिए कानून बनाया जाना चाहिए।

देखा जाये तो यह बयान केवल राजनीतिक

विवाद नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता को उजागर करता है जो भारत के संविधान से ऊपर मजहबी कानून को रखने की कोशिश करती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक महिला विधायक होकर भी सना मलिक को उन हजारों, लाखों मुस्लिम महिलाओं का दर्द क्यों नहीं दिखाई देता जो बहुविवाह और तीन तलाक जैसी प्रथाओं की वजह से वर्षों तक प्रताड़ना झेलती रही हैं। देश में कई ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं जहां कई पत्नियां रखने वाले पुरुषों पर महिलाओं के शोषण, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगे। इसके बावजूद बहुविवाह को जायज ठहराना आखिर किस मानसिकता का परिचायक है?

उधर, सना मलिक के बयान पर प्रतिक्रियाएं भी आने लगी हैं। भाजपा विधायक अतुल भातखलकर ने सना मलिक के बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि चर्चा का विषय तीन तलाक कानून का क्रियान्वयन है, पाकिस्तान या मजहबी परंपराएं नहीं। उन्होंने साफ कहा कि यह देश संविधान से चलता है, कुरान से नहीं। वहां पाकिस्तान और धार्मिक कानूनों की वकालत करने की कोई आवश्यकता नहीं है। भाजपा और शिवसेना के विधायकों ने भी सना मलिक के बयान का जोरदार विरोध किया।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि महायुति सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी। उन्होंने उत्तराखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां लागू समान नागरिक संहिता कानून में बहुविवाह पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है और उल्लंघन करने वालों के लिए सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

उल्लेखनीय है कि सना मलिक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक की बेटी हैं। नवाब मलिक का नाम पहले भी गंभीर विवादों में आ चुका है। वर्ष 2022 में प्रवर्तन निदेशालय को उनके अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गिरोह से संबंधों के सबूत मिलने का दावा किया गया था।

बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या महाराष्ट्र की राजनीति में बैठे बाकी दल केवल वोट बैंक की राजनीति के कारण इस बयान पर चुप हैं? क्या संविधान की शपथ लेने वाले जनप्रतिनिधियों को खुलेआम पाकिस्तान और इस्लामिक कानून की पैरवी करने की छूट मिलनी चाहिए? यह केवल राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि भारत की संवैधानिक पहचान और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा हुआ सवाल है।

धनबाद
सोमवार 29.06.2026
मूल्य-₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-127 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-15
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

ईमानदार एसएसपी प्रभात कुमार के विरूद्ध माफिया का षडयंत्र को विफल करें सीएम : रत्नेश कुमार

एसएसपी प्रभात के कार्यकाल में अपराधियों और माफियाओं का काला साम्राज्य समाप्त हुआ है:जे.पी.वालिया

धनबाद (कासं): कोयलांचल धनबाद की जनता एसएसपी प्रभात कुमार के कार्यों से इतना प्रभावित है कि शहर से लेकर सदन तक उनके कार्यों की उपलब्धि बताने को तत्पर है। रविवार को बिहार ऑब्जर्वर अखबार में माफियाओं द्वारा एसएसपी के तबादले के लिए रचे गए षडयंत्र की खबर प्रकाशित होने के बाद जनता एसएसपी प्रभात कुमार के पक्ष में उठ खड़ी हुई है और झारखण्ड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी तदाशा मिश्रा को ट्वीट कर एसएसपी प्रभात कुमार को ईमानदार एसएसपी बताते हुए लिखा है कि बढ़ते अपराध पर एसएसपी प्रभात कुमार ने रोक लगाया है।

पुलिस की उपलब्धियों से सरकार की छवि जनता के बीच अच्छी बनी है। इस मामले पर अति पिछड़ा वर्ग संघ के जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने सीएम को भेजे गए ट्वीट में कहा है कि ईमानदार एसपी माफियाओं और गैंगस्टरों को भा नहीं रहे हैं क्योंकि उनका हुक्का पानी एसएसपी प्रभात कुमार के कार्यकाल में बंद हो गया है। जनता राहत की सांस ले रही है। जिले में आतंक का राज का खात्मा हो चुका है। जिससे माफिया और गैंगस्टर बौखला गए हैं और ईमानदार एसएसपी प्रभात कुमार की छवि धूमिल करने का प्रयास करते आ रहे हैं। सोशल मीडिया में अपराधियों से बयान

सीएम हेमंत सोरेन को ट्वीट कर कहा एसएसपी की छवि धूमिल करने वालों पर सरकार करे कार्रवाई

दिलवाकर पुलिस प्रशासन को बदनाम करने की चाल कामयाब जनता नहीं होने देगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजे गए ट्वीट में कहा है कि प्रभात कुमार जैसे आईपीएस अधिकारी की जरूरत धनबाद जिले को है। जो झारखण्ड सरकार की दिशा निर्देशों का अनुपाल करवाएं। वहीं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (यु) के महानगर अध्यक्ष जे.पी.वालिया ने भी सीएम हेमंत सोरेन को ज्ञापन भेज कर कहा है कि मुख्यमंत्री माफिया की झुठी शिकायतों पर ध्यान नहीं दें और माफिया से राजनीतिक गठजोड़ रखने वाले नेताओं के झुठी शिकायतों और अफवाहों पर ध्यान नहीं दें क्योंकि धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार के कार्यकाल में अपराधिक गैंग का सफाया हुआ है और माफियाओं पर भी अंकुश लगा है।

उन्होंने कहा कि कुछ माफिया सीआईएसएफ की सेंटिंग से एसएसपी को बदनाम करने के लिए अवैध खनन कोयला तस्करी की खबर मिलती है वे छापामारी करवाते हैं। श्री वालिया ने सीएम को भेजे गए ज्ञापन में कहा है कि पुलिस का काम कई प्रकार के होते हैं। विधि व्यवस्था बनाए रखना और अपराध पर लगाम लगाना भारतीय संविधान का पालन करना है। जो कि धनबाद पुलिस अच्छी तरह से कर रही है। श्री वालिया ने कहा है कि कोयला के अवैध खनन और चोरी रोकने का काम सीआईएसएफ का है जिस पर बीसीसीएल अरबो रुपया खर्च कर रही है।

सरकारी स्कूलों को मिलेंगे नए शिक्षक, आज 1,042 सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे सीएम हेमंत सोरेन

गांदी (एजेंसी): झारखंड में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन २९ जून २०२६ को १,०४२ नवनियुक्त सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इस नियुक्ति से कई ऐसे स्कूलों को शिक्षक मिल सकेंगे, जो लंबे समय से एक अच्छे शिक्षक के तलाश में है । राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में कुल २६,००० सहायक आचार्यों की नियुक्ति की घोषणा की गई है, जिसके तहत चरणबद्ध तरीके से भर्तियां की जा रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक १२,५०० से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति पूरी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कल सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

राज्य के सरकारी स्कूलों में सहायक आचार्य की नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। २९ जून को १०४२ नए प्राथमिक शिक्षक नियुक्त होने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को खेलगांव में इन शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इस नियुक्ति के तहत पहली से पांचवीं कक्षा तक के लिए २७४ सहायक आचार्यों की नियुक्ति होगी, जबकि छठी से आठवीं कक्षा तक के लिए ७६८ शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। इस नियुक्ति से कुछ हद तक शिक्षकों की कमी दूर होगी, फिर भी हजारों पद अब भी खाली हैं।

सुचारू रूप से चलेगी बच्चों की पढ़ाई

शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन नियुक्तियों से कई ऐसे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो पाएगी, जहां लंबे समय से शिक्षकों के पद खाली पड़े हुए हैं। कई स्कूलों में एक शिक्षक के भरोसे पढ़ाई चल रही थी। नए शिक्षकों की नियुक्ति से बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल पाएगी। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में विभिन्न जिलों से चयनित अभ्यर्थी शामिल होंगे। शिक्षा विभाग इस कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है। सभी जिलों की जिला स्थापना समितियों ने अपनी अनुशंसा प्राथमिक शिक्षा निदेशालय को भेज दी है, जिसके आधार पर नियुक्ति पत्र वितरण की तैयारी की जा रही है। राज्य सरकार ने प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए २६,००० सहायक आचार्यों की नियुक्ति की घोषणा की है। इसके अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से नियुक्तियां हो रही हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक लगभग १२,५०० से अधिक शिक्षकों (सहायक आचार्यों) की नियुक्ति की जा चुकी हैपलामू को सबसे ज्यादा १२३ व रामगढ़ को सबसे कम ४ शिक्षक

जिलावार आंकड़ों पर दृष्टि डालें, तो पलामू में सबसे अधिक और रामगढ़ जिले में सबसे कम नियुक्तियां हो रही हैं। पलामू में १२३ शिक्षकों की नियुक्ति होगी। अन्य जिलों की बात करें, तो गिरिडीह में २, कोडरमा में १, साहिबगंज ▶▶ 8

भारत में दुनिया का पहला परमाणु-हीट हाइड्रोजन संयंत्र

चेन्नई (ईएमएस): भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की ओर आगे बढ़ रहा है। देश में दुनिया का पहला परमाणु-हीट आधारित हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने की दिशा में काम तेज हो गया है। इस परियोजना में परमाणु रिएक्टर से उत्पन्न उच्च तापमान वाली ऊष्मा का उपयोग कर पानी से हाइड्रोजन गैस तैयार की जाएगी। इससे पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटेगी। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन अधिक किफायती तथा पर्यावरण-अनुकूल बनेगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह तकनीक ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

सिक्किम में भारी बारिश में बहा पुल, कई गांवों से संपर्क टूटा

प्रशासन हालात पर रख रहा नजर, कोई जनहानि नहीं, लोगों को सावधानी बरतने की दी सलाह

गंगटोक (ईएमएस): सिक्किम में मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। यहां के उत्तरी इलाके में शनिवार रात को भारी बारिश से एक बड़ा पुल पानी में पूरी तरह बह गया। इस घटना के बाद से फिदांग और सांकलांग को जोड़ने वाला रास्ता बंद हो गया है। पुल टूटने के चलते इलाके का सड़क संपर्क टूट गया है। फिलहाल, प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है, जबकि लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी सिक्किम के जोंगू इलाके में शनिवार रात तेज बारिश हुई। इसी दौरान फिदांग में फी खोला का जलस्तर अचानक बढ़ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि वहां बना बेली पुल बह गया। इस पुल के बह जाने से फिदांग-सांकलांग मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। यह रास्ता इस पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी के लिए बेहद जरूरी है। मार्ग बंद होने से आस-पास के कई गांवों का संपर्क टूट गया है।

मौसम विभाग ने सिक्किम समेत पूरे पूर्वोत्तर भारत के लिए पहले ही भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। विभाग ने बताया था कि इस हफ्ते कई इलाकों में ७ से २० सेंटीमीटर तक बारिश हो ▶▶ 8

2014 के बाद बदला भारत का विकास मॉडल, डिजिटल सिस्टम से कोई पात्र लाभार्थी नहीं रहेगा वंचित : अमित शाह

गांधीनगर (ईएमएस): केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में रविवार को गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक विशेष एकीकृत प्लेटफॉर्म- 'पीएम फैमिली केयर ट्रैकर' पायलट प्रोजेक्ट कार्यरत किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष २०१४ भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक वर्ष है। जब कभी आजादी के १०० वर्षों का इतिहास लिखा जाएगा, तब उसके दो स्पष्ट भाग होंगे, २०१४ से पहले का भारत और २०१४ के बाद का भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की शिक्षा नीति, अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास सहित सभी क्षेत्रों में दीर्घकालिक योजना के साथ आमूल बदलाव आया है। प्रधानमंत्री के पारदर्शी शासन से दिल्ली से निकला रुपया आज सीधे गरीबों के बैंक खातों में जमा होता है।

गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र से प्रायोगिक आधार पर 'पीएम फैमिली केयर ट्रैकर' और 'हेल्थ पासपोर्ट' योजनाओं का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस कॉमन आइडेंटिटी सिस्टम से शासन का कामकाज और सुदृढ़ बनेगा और कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित नहीं रहेगा।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए भयंकर गरीबी का वर्णन किया और कहा कि मोदी सरकार ने देश के ७० करोड़ गरीबों को घर, बिजली, नल से जल, शौचालय, गैस सिलेंडर, मुफ्त अनाज और ५ लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार प्रदान करके पांच-पांच पीढ़ियों का सपना केवल १२ वर्षों में पूरा किया है। महात्मा गांधी के 'राम राज्य' की व्याख्या को सार्थक करते हुए उन्होंने कहा कि केवल योजनाएं बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनता की चिंता करना और उनका ध्यान रखना ही सच्चा शासन है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने इस जटिल सिस्टम और सॉफ्टवेयर को तैयार करने के ▶▶ 8

विमान के पंखे की चपेट में आई पायलट

कानपुर (ईएमएस): कानपुर एयरपोर्ट पर नाइट लाइंग ट्रेनिंग के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई। ट्रेन इंजन विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। लेकिन, इंजन बंद होने से पहले ही ट्रेनी पायलट विमान से नीचे उतर गई। इस वजह से वह घूम रहे प्रोपेलर (पंखे) की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी पीठ पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज चल रहा है।

जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे, उनका राशन बंद

पश्चिम बंगाल सरकार का आदेश

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले लगभग ६३ लाख नाम अंतिम सूची से हटाए गए थे और बाद की जांच प्रक्रिया में करीब २७ लाख मतदाताओं के नाम भी अयोग्य घोषित किए गए। इनमें से लगभग २७ लाख प्रभावित लोगों ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों का रुख किया है।

इसी बीच राज्य सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हट चुके हैं, उनके राशन कार्ड निष्क्रिय किए जाएं। हालांकि जिनकी अपील ट्रिब्यूनल में लंबित है या अन्य निर्धारित श्रेणियों में ▶▶ 8

सीबीएसई 12वीं बोर्ड की री-इवैल्यूएशन रिजल्ट में देरी, 13 फीसदी छात्र कर रहे इंतजार

नई दिल्ली (ईएमएस): सीबीएसई १२वीं बोर्ड परीक्षा खत्म हो चुकी है। री-इवैल्यूएशन की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है जिसका ८७ फीसदी रिजल्ट भी जारी किया जा चुका है, लेकिन १३ फीसदी उन छात्रों को अब भी उनके रिजल्ट का इंतजार है, जिन उम्मीदवारों के रिजल्ट अब भी अंडर प्रोसेस दिखाई दे रहे हैं वे लगातार पोर्टल चेक कर रहे हैं कि कहीं बोर्ड ने रिजल्ट जारी तो नहीं कर दिया है। इसपर बोर्ड का कहना है कि परिणाम चरणबद्ध तरीके से जारी किए जा रहे हैं और हर आवेदन की पारदर्शी और सावधानीपूर्वक समीक्षा की जा रही है।

अब सोशल मीडिया पर छात्र इसे लेकर नाराजगी जता रहे हैं। कई छात्रों ने सीबीएसई से परिणामों की घोषणा में तेजी लाने की मांग की है। कुछ छात्रों का कहना है कि जहां बाकी के छात्र आगे की पढ़ाई की तैयारी में जुटे हैं वहीं, वे परिणाम का इंतजार कर रहे छात्र दिन-रात पोर्टल रिफ्रेश करने के लिए मजबूर हैं। इसके अलावा कई छात्रों ने मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका और संशोधित कॉपी उपलब्ध कराने की भी मांग की है, ताकि वे प्रवेश प्रक्रिया के दौरान सभी जरूरी दस्तावेज जमा कर सकें। उनका कहना है कि कई राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के पहले ही आगे बढ़ जाने से चिंता और बढ़ गई है। नीट-यूजी ने अपनी प्रोविजनल आंसर की जारी कर दी है जबकि विश्वविद्यालयों में काउंसलिंग और प्रवेश प्रक्रियाएं जारी हैं।

बात दें देशभर के विश्वविद्यालयों और ▶▶ 8

शराब घोटाला: पूर्व मंत्री स्मेश्वर उरांव और बेटे रोहित उरांव को ईडी का समन, पूछताछ के लिए बुलाया

रांची (ईएमएस): शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से जुड़े कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच तेज कर दी है।इसी कड़ी में ईडी ने झारखंड के पूर्व वित्त मंत्री रमेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित उरांव को पूछताछ के लिए समन जारी किया है।ईडी ने रोहित उरांव को २९ जून और रमेश्वर उरांव को ३० जून को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा है।

जानकारी के अनुसार, इस मामले की जांच के दौरान ईडी ने पहले रमेश्वर उरांव, उनके बेटे रोहित उरांव और अन्य संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की थी।जांच में यह बात सामने आई कि रोहित उरांव ने शराब कारोबार के लिए एक कंपनी के साथ एकरारनामा किया था।हालांकि, दावा किया जा रहा है कि समझौते के बाद भी उन्होंने शराब के कारोबार में सक्रिय भूमिका नहीं निभाई।ईडी की जांच का केंद्र शराब कारोबारी योगेंद्र ▶▶ 8

मंत्रालयों में बड़े फेरबदल की तैयारी में है मोदी

शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जगह लेंगी निर्मला सीतारमण, गडकरी का भी बदलेगा मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कैबिनेट में बड़ा फेरबदल करने जा रहे हैं। इस फेरबदल में कई मंत्रियों को बाहर का रास्ता भी दिखाया जा सकता है, वहीं विवादों में रहे मंत्रियों के पोर्टफोलियो में भी बदलाव किया जा सकता है। चर्चा यह भी है कि पूर्व आईएएस अधिकारी और आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास को वित्त मंत्री बनाया जा सकता है और निर्मला सीतारमण को शिक्षा मंत्रालय का जिम्मा मिल सकता है, वहीं नितिन गडकरी का भी मंत्रालय बदल सकता है।

मंत्रिमंडल के इस संभावित फेरबदल में सबसे बड़ा नाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का सामने आ रहा है। उन पर नीट

प्रश्नपत्र लीक मामले की गाज गिर सकती है और उनसे शिक्षा मंत्रालय वापस लिया जा सकता है। इसके अलावा, सरकार के कुछ सबसे बड़े और महत्वपूर्ण मंत्रालयों के प्रभारियों के पोर्टफोलियो में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है। इनमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल खट्टर के नाम शामिल हैं, जिनके विभागों में फेरबदल किया जा सकता है।

मोदी कैबिनेट के संभावित नए मंत्री

१- नीतीश कुमार
२- शक्तिकांत दास
३- सुखेंदु शेखर राय
४- तरुण चुग
५- राघव चड्ढा
६- श्रीकांत शिंदे
७- अनुराग ठाकुर

बदलेंगे पोर्टफोलियो या फिर बाहर का रास्ता

१- मनोहरलाल खट्टर
२- रवनीत सिंह बिट्टू
३- अश्विनी वैष्णव
४- धर्मेंद्र प्रधान
५- निर्मला सीतारमण
६- हरदीप सिंह पुरी
७- नितिन गडकरी

पंजाब और सिखों को तरजीह

कैबिनेट विस्तार में इस बार पंजाब को विशेष तवज्जो मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की जगह किसी अन्य ▶▶ 8

बमों की बारिश के बीच होर्मुज से सुरक्षित निकला भारत का जहाज, किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस) होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार बढ़ते सैन्य तनाव और व्यापारिक जहाजों पर हमलों के बीच भारत के किसानों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज 'एपीजे प्रीती २' शनिवार को ईरान द्वारा बताए गए समुद्री मार्ग से सुरक्षित होकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया। यह वही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाका है जहां कुछ घंटे पहले एक तेल टैंकर पर हमला हुआ था, जिसके बाद समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने खतरे का स्तर बढ़ा दिया था। यह घटना तब हुई है जब ईरानी ठिकानों पर अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन हवाई हमले किए हैं, जो इस क्षेत्र में तनाव के उच्च स्तर को

दर्शाता है। इस खतरनाक माहौल में भारतीय जहाज का सुरक्षित निकलना देश के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एपीजे प्रीती २ में लगभग ६५ हजार मीट्रिक टन उर्वरक लदा है। यह जहाज उन जहाजों की प्राथमिक सूची में शामिल था जिन्हें सबसे पहले सुरक्षित बाहर निकालने की योजना बनाई गई थी। जहाज ने ईरान की ओर से तय किए गए सुरक्षित मार्ग का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया। इस जहाज का भारत पहुंचना देश के किसानों के लिए एक बड़ी राहत वाली खबर है, खासकर तब जब खरीफ की फसलों की बुआई का काम शुरू हो रहा है और उर्वरकों की मांग अपने चरम पर है। समय पर उर्वरक की उपलब्धता कृषि उत्पादन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है।

शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर का तेल ले जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ था, जो इस सप्ताह के भीतर किसी व्यापारिक जहाज पर दूसरा हमला था। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, हमले में जहाज के ▶▶ 8

डीडीसी ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सुबह धनबाद सदर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ० से ५ वर्ष तक के अगस्त्या सिन्हा, सनव, मिशिका, देवांशी को दो बूंद जिंदगी की खुराक पिलाकर देशव्यापी पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। शुभारंभ करने के बाद उप विकास आयुक्त ने जिले के सभी अभिभावकों से उनके ५ वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर आने वाली पीढ़ी को पोलियो से सुरक्षित करें। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद पोलियो का संक्रमण होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए इस देशव्यापी अभियान का शुभारंभ बरसात से पहले किया गया है। बताया कि पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के तहत २८ से ३० जून तक जिले के ४ लाख २४ हजार ७२९ बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। २८ को १९७६ बूथ पर एवं २९ व ३० जून को छुटे हुए बच्चों को घरघर में पल्स पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि इसके लिए १८७३ स्थाई बुथ, ७९ ट्रांजिट बुथ, १६ मोबाईल टीम, एक ८ सदस्यी टीम सहित १९७६ बुथ संचालित किए जाएंगे। अभियान की निगरानी के लिए ३९२ सुपवाईजर फिल्ड में रहेंगे। हर बूथ पर पल्स पोलियो दवा पहुंचाने तथा दवा की गुणवत्ता को उच्च कोटि की बनाये रखने के लिए १३७ सबडिपो की व्यवस्था की गई हैं।

बच्चों को दवा पिलाने से पूर्व उप विकास आयुक्त में दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया।

मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. दीपक कुमार, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, एमओआईसी डॉ. अनिता चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

सैकड़ों बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

झरिया (ससे) : पल्स पोलियो अभियान के तहत तिसरा एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न केंद्रों पर पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। सैकड़ों बच्चों ने इसका लाभ लिया। आंगनबाड़ी केंद्र यग धौड़ा गोलकडीह में पल्स पोलियो कार्यक्रम का उद्घाटन वार्ड ४६ की पार्षद रानी देवी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर रानी देवी ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्यक्रम किया गया है। हम लोगों का उद्देश्य पूरा भारत को पोलियो मुक्त बनाना है। एक भी बच्चा छूट न जाए, इसके लिए बूथ लगाया गया है। बाकी दो दिन घरघर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके अलावा उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोलकडीह, गुप्ता मेडिकल, एमओसीपी नॉर्थ तीसरा, जयरामपुर जीनागोरा, सेठ कोठी, लक्ष्मी कोलियरी, पार बाद, बागडिगी आदि क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। मौके पर एएनएम चंदन चटर्जी, सीएचओ निर्मला कुमारी, सहिया साथी रेखा भट्ट, बबीता देवी, सेविका गीता देवी, सहायिका राधा देवी, सहिया पुष्प लता देवी, रानी देवी, सुनीता देवी आदि के द्वारा बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई गई। वहीं स्वास्थ्य विभाग के डॉ. राजेश गुप्ता ने क्षेत्र में बूथों का निरीक्षण किया।

ओलम्पिक दिवस पर पौधारोपण अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला ओलम्पिक संघ द्वारा चलाए जा रहे ओलम्पिक दिवस पर्यावरण संरक्षण अभियान के पांचवें दिन राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर एवं मोंटफोर्ट अकादमी में दो दर्जन फलदार तथा छायादार पौधे लगाए गए। राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय प्रांगण में प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा तथा उप प्राचार्य मनोज कुमार ने जिला ओलम्पिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी, संयुक्त सचिव मृदुल बोस, मनोज शर्मा, प्रियरंजन कुमार, कोषाध्यक्ष पवन कुमार बरनवाल के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। इस अवसर पर विद्यालय के शारीरिक शिक्षक सह जिला ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव पप्पू कुमार के अलावा वेणु रानी, गौरी शंकर सिंह तथा अंजलि कुमारी आदि उपस्थित थे।

मोंटफोर्ट एकाडेमी, आमघाट कार्यक्रम के दूसरे चरण में अध्यक्ष एस. एम. हाशमी, महासचिव रंजीत केशरी, वरीय उपाध्यक्ष रेज़ा इश्त्याक, कोषाध्यक्ष पवन कुमार बरनवाल तथा कार्यकारी सदस्य शिव कुमार महतो, वसीम हाशमी का प्रतिनिधिमंडल मोंटफोर्ट अकादमी पहुंचा। प्राचार्य प्रशांत कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में रुचि दिखाते हुए विद्यालय परिसर में दर्जन भर पौधों का रोपण किया।धनबाद जिला ओलम्पिक संघ ने दोनों विद्यालयों के प्राचार्यों को अभियान में सहयोग के लिए पौधा युक्त गमला भेंट कर आभार व्यक्त किया।

मजदूर जदयू की बैठक सह अभिनंदन समारोह संपन्न

धनबाद (कासं) : मजदूर जनता दल यू. द्वारा धनबाद परिषदन में एक दिवसीय बैठक सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मजदूर जदयू के जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के जिलाध्यक्ष पिन्टु कुमार सिंह, मजदूर जदयू के प्रभारी राजेन्द्र राही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव एवं प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह उपस्थित थे। बैठक में मजदूर जदयू का प्रथम सूची का जिला पदाधिकारिओं में उपाध्यक्ष राम आसेर लाल, किशोर मिश्रा, दीपेश चौधरी, महासचिव पवन कुमार गुप्ता, बिरेन्द्र कुमार, सचिव दीपक कुमार सिंह, संगठन सचिव विद्या भूषण पासवान, कोषाध्यक्ष गौतम कुमार सिंह को सर्वसम्मति से किया गया। इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने मजदूर जदयू के नये जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह का अभिनंदन किया। मौके पर नेताओं ने कहा कि उनके मनोनयन से पूरे जिले में मजदूर जदयू का सगंठन काफी मजबूत होगी। इस कार्यक्रम में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि धनबाद में जितने भी आउटसोर्सिंग चलाया जा रह है उसमें ज्यादातर गैर कानूनी तरीके से चलाया जा रहा है और जितना सुविधा विस्थापन को मिलना चाहिए वह नहीं के बराबर है। इन सभी मुद्दो को लेकर मजदूर जनता दल यू. अगस्त माह में कोयला भवन के सामने एक दिवसीय महाधरना देगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के जिलाध्यक्ष पिन्टु कुमार सिंह, मजदूर जदयू के प्रभारी राजेन्द्र राही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, प्रदेश सचिव राजु कुमार सिंह, विजय सिंह कुशवाहा, युवा जदयू के जिला अध्यक्ष बबलु मोदक, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा पाण्डेय, महिला नेत्री रीता रानी मण्डल आदि उपस्थित थे।

अनाथ बच्चों के बीच सेवा कार्य उपहार वितरित कर मनाई खुशियां

धनबाद (कासं) : नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्यामनगर भूली के द्वारा पेमिया ऋषिकेश मेमोरियल आवासीय अनाथ विद्यालय पोखरिया पूर्वी टुंडी धनबाद रह रहे अनाथ बच्चों को भोजन के साथ साथ उपहार दिया गया। कार्यक्रम वहाँ रह रहे दो जुड़वां बच्चों के जन्मदिन विशेष पर रखा गया था। इस कार्यक्रम मे टुंडी विधायक मथुरा महतो भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के कुल ६० बच्चों अपनी अपनी बातें रखी और संस्था को धन्यवाद देते हुए कहा की आपलोग बीच-बीच में आते रहें जिससे की हमलोगों के नसीब में जो मातापिता एवं अभिभावक की कमी है वो पूरा हो पाए। संस्था का एक ही संकल्प है की हर जरूरतमंद तक पहुंचकर उनकी मदद करना और सेवा देना। इस कार्यक्रम मे नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के संयोजक राजेंद्र प्रसाद साहू अध्यक्ष, राकेश कांति विश्वास सचिव, दिलबाग सिंह, गोपाल बनर्जी, प्रदीप श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी नीलकमल खावास, पवन अग्रवाल, मंजू देवी एवं नीलू कुमारी ने अपना अहम् योगदान दिया।

आरसीडीसी सहेली सेंटर का किया गया शुभारंभ

झरिया (कासं) : महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल ने बस्ताकोला, में आरसीडीसी सहेली सेंटर का शुभारंभ किया। इस केंद्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दो पूर्णतः सुसज्जित सिलाई प्रशिक्षण कार्यस्थल स्थापित किए गए हैं। केंद्र में चार सिलाई मशीनें, अनुभवी प्रशिक्षिकाएँ तथा प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सभी संसाधनों की व्यवस्था की गई है। यहां महिलाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन विनीत तुलस्यान ने कहा कि महिला सशक्तिकरण ही समाज के समग्र विकास की आधारशिला है तथा यह केंद्र अनेक महिलाओं के जीवन में

आत्मनिर्भरता और सम्मान का नया अध्याय जोड़ेगा।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अमरेश सिंह ने बताया की कार्लिंदी देवी स्कूल को पहले ही गोद लेकर बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है और आज महिलाओं के उत्थान के लिए सहेली सेंटर की स्थापना कराई गई।

रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल भविष्य में बच्चों और महिलाओं के विकास के लिए सहेली सेंटर व स्कूल का स्थापना करेगी। कार्यक्रम में रोटेरियन अमरेश सिंह, रोटेरियन मनीष तायल, रोटेरियन अमित जैन, रोटेरियन अजय अग्रवाल, सहायक गवर्नर रोटेरियन दीपक कनोरिया, सहित क्लब के अनेक सदस्यों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल ने सभी सहयोगकर्ताओं, दानदाताओं एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में आगे रहेगा।

1 को महाप्रदर्शन व मांग दिवस मनाएगी झाकोमयू

कतरास (ससे) : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन की क्षेत्र संख्या १ से ५ तक के प्रतिनिधियों की संयुक्त प्रेस वार्ता जमुआ पंचायत भवन में आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बीसीसीएल जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू ने कहा कि मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर १ जुलाई को महाप्रदर्शन के साथ मांग दिवस मनाया जाएगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से १२वें जेवीसीसीआई का शीघ्र गठन करने की मांग की। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को तत्काल वापस लिया जाए, क्योंकि इससे श्रमिकों के अधिकार प्रभावित हो रहे है।

रतिलाल टुडू ने कहा कि मजदूरों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर १ जुलाई के आंदोलन के माध्यम से सरकार और प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया जाएगा। उन्होंने सभी कोयला मजदूरों से आंदोलन में बढ़चढ़कर भाग लेने की अपील की।

इस अवसर पर बीसीसीएल जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू, एरिया३ सचिव अर्जुन भुईयां, एरिया३ अध्यक्ष परवीन लाला, एरिया३ संगठन सचिव अताउर रहमान, एरिया३ सह सचिव राजा अकरम, एरिया ४ के अध्यक्ष रौनक सिन्हा, धर्मराज भुईयां, भोला भुईयां, विकास भुईयां, राहुल भुईयां, करण भुईयां, लक्ष्मण कुमार, सागर भुईयां सहित यूनियन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला एथलेटिक्स संघ के पदाधिकारियों द्वारा मेगा कम्प्लेक्स बिरसा मुंडा स्टेडियम धनबाद में एक बैठक की गई। जिसमें यह निर्णय लिया गया कि ४०वीं जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता अगामी २९ व ३० जून को धनबाद जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता सुबह ६.३० बजे से प्रारंभ होगी सभी खिलाड़ियों को अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड लाना अनिवार्य है।

उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा द्वारा की जाएगी। संघ के पदाधिकारी मुख्य रूप से संघ की अध्यक्ष किरण रानी नायक, सुनील मिश्रा, प्रदीप घोष, सरफराज खान, जयराम भगत, बिनोद राउत, तारकनाथ दास, राणा प्रताप सिंह, अनुशु कुमार इत्यादि उपस्थित थे। इसकी जानकारी जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव बंधन टोप्पो ने दी।

डिम्पल बनीं जेएलकेएम स्वर्ण मोर्चा की महिला केंद्रीय अध्यक्ष

धनबाद (कासं) : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डिम्पल चौबे को स्वर्ण मोर्चा की महिला केंद्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह निर्णय पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम महतो एवं चयन बोर्ड समिति द्वारा लिया गया। नवनियुक्त केंद्रीय अध्यक्ष डिम्पल चौबे ने पार्टी सुप्रीमो एवं चयन समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड में पहली बार किसी राजनीतिक दल द्वारा स्वर्ण मोर्चा का गठन किया गया है, जो एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वह पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि संगठन को मजबूत करना, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और जनता की आवाज़ को बुलंद करना उनकी प्राथमिकता होगी। डिम्पल चौबे ने इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया और सभी से मिलकर पार्टी को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

एसडीएम ने धनबाद विस के वॉलिंटियर्स को दिया प्रशिक्षण

धनबाद (कासं) : धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने न्यू टाउन हॉल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान वॉलिंटियर्स को विभिन्न प्रपत्र, मतदाता सूची में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट मतदाताओं से संबंधित जानकारी, गणना प्रपत्र इत्यादि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को त्रुटि रहित एवं समय पर संपन्न कराने के लिए बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रियाओं को सुगम, समावेशी और शत-प्रतिशत त्रुटिहीन बनाना है, जिसमें वॉलेंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। वॉलेंटियर्स को उनके कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी विभिन्न जानकारी दी गई। अनुमंडल दंडाधिकारी ने सभी वॉलेंटियर्स से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की। प्रशिक्षण में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के साथ उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अंचल अधिकारी धनबाद राम प्रवेश, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद उपस्थित रहे।

भूधंसान का पार्षद ने किया निरीक्षण

कतरास (ससे) : वार्ड संख्या ४ के पार्षद छोटू सिंह ने अंगारपथरा स्थित काटा पहाड़ी ग्राउंड के समीप हुए भूधंसान क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि भूधंसान का दरार लगातार बढ़ रहा है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज

कतरास (कासं) : सूरज इलेवन के तत्वावधान में भेलाटांड़ बस्ती ग्राउंड में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन पार्षद कल्पना महतो ने विधिवत फीता काटकर किया। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए से आयोजन जरूरी है।

उन्होंने खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हारजीत से ऊपर उठकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें ताकि भविष्य में जिला, राज्य और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। २ जुलाई तक चलने वाले इस प्रतियोगिता में १६ टीमें भाग ले रही हैं। उदघाटन मैच सिजुआ सिक्सर क्लब बनाम भेलाटांड़ वॉरियर के बीच खेला गया। इस मैच में सिजुआ सिक्सर क्लब ने जीत दर्ज की। निर्णायक की भूमिका तिक सिंह, विक्की रवानी ने निभाई। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल मैच २ जुलाई को खेला जाएगा। प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर राकोमयू भेलाटांड़ कोलियरी शाखा के पूर्व अध्यक्ष रामलाल महतो, समाजसेवी दुर्गा मरांडी, दीपक महतो, कृष्णा हाड़ी, सूरज महतो, राजकुमार महतो आदि उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

दीक्षा महिला मंडल टैलेंट कार्निवल का पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समन्न

धनबाद (कासं) : धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों के स्कूली विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपनी कला, कौशल एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दीक्षा महिला मंडल, बीसीसीएल द्वारा कोयला नगर स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित दो-दिवसीय 'टैलेंट कार्निवल२०२६' का आज एकल गायन एवं समूह शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिताओं तथा पुरस्कार वितरण समारोह के साथ गरिमामय समापन हुआ।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशकगण एवं दीक्षा महिला मंडल की पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के प्रथम दिवस सोलो डांस (क्लासिकल), सोलो डांस (फ्रीस्टाइल) तथा ग्रुप डांस (फ्री-स्टाइल) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिसमें धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों के २५ से अधिक विद्यालयों के लगभग १५० से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसी क्रम में एकल गायन तथा समूह शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी सुरमयी गायकी एवं शास्त्रीय नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार सहित कोयला भवन मुख्यालय के महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, अधिकारी एवं कर्मचारी, प्रतिभागी विद्यार्थी, अभिभावक, प्राचार्यगण तथा बड़ी संख्या में आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर दीक्षा महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल, उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया, रंजना सिंह, नीता कुमार सहित दीक्षा महिला मंडल की सभी सम्मानित सदस्याओं एवं विभिन्न क्षेत्रीय महिला समितियों की पदाधिकारीगण एवं सदस्याओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम में नृत्य प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में कोलकाता की सुप्रसिद्ध मंच कलाकार एवं नृत्य विशेषज्ञ सुश्री प्रियाशा हलधर तथा तुहिन चटर्जी उपस्थित रहे। वहीं एकल गायन प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु सुप्रसिद्ध गायिका शर्मिष्ठा साहा, विख्यात गायक काजल दा तथा विशेष निर्णायक के रूप में सत्यजीत शॉ उपस्थित रहे। सभी निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का निष्पक्ष, तकनीकी एवं कलात्मक मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया तथा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक दीप प्रज्वलन, कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत तथा उपस्थित गणमान्य अतिथियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुआ। दीक्षा महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों ने निर्णायक मंडल एवं सभी विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। इसके उपरांत डांस इंडिया डांस सहित विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकीं छात्रा सुश्री ईशिता खत्री द्वारा प्रस्तुत मगवान गणेश की वंदना पर आधारित एक भावपूर्ण शास्त्रीय नृत्य के साथ प्रतियोगिताओं का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

द्वितीय दिवस की प्रतियोगिताओं की शुरुआत समूह शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता से हुई। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा एवं पौराणिक प्रसंगों पर आधारित प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने 'ऐ गिरि नंदिनी', देवी शक्ति उपासना, वराह अवतार, शिव तांडव स्तुति, 'ओ रे पिया' सहित विभिन्न शास्त्रीय एवं भक्तिमय रचनाओं पर प्रभावशाली नृत्य प्रस्तुत किए। नृत्य की शुद्धता, तालल्य, भावाभिव्यक्ति, समन्वय एवं मंचीय अनुशासन ने प्रतियोगिता को अत्यंत आकर्षक एवं उच्च स्तर का बना दिया। प्रत्येक प्रस्तुति भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं शास्त्रीय नृत्य परंपरा की गरिमा को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करती दिखाई दी।

एकल गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, बॉलीवुड गीत, देशभक्ति गीत, ग़ज़ल एवं प्रेरणादायी रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ देकर अपनी बहुमुखी गायन प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतिभागियों ने 'एक प्यार का नगमा है', 'तुझसे नाराज़ नहीं ज़िंदगी', 'ये मोहमोह के धागे', 'समय की रेत पर छोड़ते चले निशाँ', 'बेखौफ आज़ाद रहना है मुझे', वृंदावनी राग, 'मोरा मन

दर्पण कहलाए' सहित अनेक शास्त्रीय एवं लोकप्रिय गीतों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दीं। कुछ प्रतिभागियों ने वीर रस एवं प्रेरणादायी काव्य-पाठ भी प्रस्तुत किया, जिसकी निर्णायकों एवं दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों की स्वरसाधना, उच्चारण की स्पष्टता, सुरताल पर पकड़, मंच प्रस्तुति एवं आत्मविश्वास ने उपस्थित सभी लोगों को प्रभावित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक प्रतिभागी अपने साथ केवल एक प्रस्तुति ही नहीं, बल्कि अपने विद्यालय, शिक्षकों एवं अभिभावकों के विश्वास और परिश्रम का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि टैलेंट कार्निवल का उद्देश्य केवल विजेताओं का चयन करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाला प्रत्येक विद्यार्थी अपने आप में विजेता है, क्योंकि उसने अपनी प्रतिभा को मंच पर प्रस्तुत करने का साहस एवं आत्मविश्वास दिखाया है।

श्रीमती अग्रवाल ने सभी सहभागी विद्यालयों, प्राचार्यों, शिक्षकों, अभिभावकों, निर्णायक मंडल एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार बन सका।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि कला, संगीत एवं नृत्य जैसी सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच तथा सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करती हैं और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती है।

उन्होंने दीक्षा महिला मंडल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के कौशल विकास और सांस्कृतिक उन्नयन से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

दीक्षा महिला मंडल उपाध्यक्ष नीता कुमार ने कहा कि दो दिनों तक प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत उत्कृष्ट नृत्य एवं गायन ने यह सिद्ध कर दिया कि उचित अवसर एवं प्रोत्साहन मिलने पर सभी बच्चे कला के विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके सहयोग की सराहना की। निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए दीक्षा महिला मंडल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों के समग्र विकास के साथ समाज में सांस्कृतिक चेतना एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है।

समापन सत्र में निर्णायक मंडल के सदस्यों ने भी अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। शर्मिष्ठा साहा ने 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को' तथा 'ये समां है प्यार का' जैसे सदाबहार गीतों की मधुर प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। वहीं प्रसिद्ध गायक श्री काजल दा ने 'रिमझिम गिरे सावन' तथा 'बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम' जैसे लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह की भरपूर सराहना अर्जित की। इसके साथ ही नृत्य विशेषज्ञ सुश्री प्रियाशा हलधर एवं तुहिन चटर्जी ने अपनी भावपूर्ण एवं आकर्षक नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक सत्यजीत शॉ ने भी अपनी ऊर्जावान एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से समागार में उपस्थित सभी लोगों की भरपूर सराहना अर्जित की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, अतिथियों एवं दर्शकों के विशेष आग्रह पर बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने अपनी विशेष संगीतमय प्रस्तुति से कार्यक्रम में नया उत्साह भर दिया। उनकी सुमधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम और अधिक गरिमामय एवं यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का समापन दीक्षा महिला मंडल उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ उन्होंने सभी गणमान्य अतियों, निर्णायक मंडल, सहभागी विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों, प्रतिभागी विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय 'टैलेंट कार्निवल२०२६' में धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों के २५ से अधिक प्रतिष्ठित विद्यालयों के २५० से अधिक विद्यार्थियों ने कक्षा षष्टम से दशम तक की छह प्रतियोगिता श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस सोलो डांस (क्लासिकल), सोलो डांस (फ्रीस्टाइल) एवं ग्रुप डांस (फ्रीस्टाइल) प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जबकि द्वितीय दिवस ग्रुप डांस (क्लासिकल) एवं सोलो सिंगिंग प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। दो दिनों तक चले इस आयोजन ने स्कूली छात्रों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का एक भव्य संगम प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतियोगिता श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, स्मृतिचिह्न एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गायन प्रतियोगिता में बच्चों की संख्या और प्रतिभा को देखते हुए दीक्षा महिला मंडल द्वारा चतुर्थ और पंचम पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन आभा मिश्रा, गीता साहा एवं गार्गी मुखोपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया।

लीना झा उत्कृष्ट प्रेसिडेंट अवॉर्ड से सम्मानित

धनबाद (कासं) : इनरव्हील क्लब ऑफ़ धनबाद माइलस्टोन क्लब जिला ३२५ के पुरस्कार समारोह, रांची बीएनआर चाण्क्य होटल में इनर व्हील क्लब की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रश्मी गुप्ता के द्वारा इनरव्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन की अध्यक्ष लीना झा को क्लब की उत्कृष्ट प्रेजिडेंट पुरस्कार, ऑफ़ धनबाद माइलस्टोन को ऋतु श्रीवास्तव को सर्वश्रेष्ठ सचिव, गीता चौबे को बेस्ट आईएसओ और आइडब्ल्यूसी माइलस्टोन को सर्वश्रेष्ठ (१०६ सार्थक परियोजनाएँ) क्लब का पुरस्कार दिया गया। इनर व्हील मौजूद थी।

मायुमं ने किया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन

झरिया (सासे) : मायुमं द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का उद्घाटन धनबाद सांसद ढुलू महतो एवं गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर सांसद ढुलू महतो ने कहा कि स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान जैसे सेवा कार्य समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मानवता के सर्वोच्च मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने रक्तदाताओं एवं आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जो जरूरतमंदों को नया जीवन प्रदान करता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया तथा रक्तदान कर समाज सेवा में अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा एवं एक निजी हॉस्पिटल की इस जनहितकारी पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

साहित्यकार परिषद ने लिया प्रेमचंद जयंती व हिंदी पखवाड़ा मनाने का निर्णय

धनबाद (कासं) : भारतीय साहित्यकार परिषद, धनबाद की कोर कमिटी की एक आवश्यक बैठक बीसीसीएल के अतिथि गृह में पूर्वाह्न १० बजे परिषद के अध्यक्ष डॉ. अरविंद अंशुमान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी ३१ जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती तथा २० सितंबर को हिंदी पखवाड़ा का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा। इन आयोजनों को सफल बनाने के लिए विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। परिषद के सचिव आशीष कुमार अम्बष्ट ने परिषद के भावी कार्यक्रमों एवं साहित्यिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया। बैठक में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचारप्रसार के लिए वर्षभर विविध कार्यक्रम आयोजित करने पर भी विचारविमर्श हुआ। बैठक में डॉ. प्रेमचंद्र लाल दास, डॉ. राजेश कुमार, श्याम नारायण सिंह, अधिवक्ता जीतेन्द्र प्रसाद कर्ण, आशीष कुमार अम्बष्ट तथा श्री रंजन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बैठक के समापन से पूर्व आयोजित काव्य गोष्ठी में डॉ. प्रेमचंद्र लाल दास, श्याम नारायण सिंह, आशीष कुमार अम्बष्ट, अधिवक्ता जीतेन्द्र प्रसाद कर्ण तथा प्रख्यात शायर डॉ. अरविंद अंशुमान ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। डॉ. अंशुमान ने अपनी ग़ज़लों की प्रभावशाली प्रस्तुति से उपस्थित साहित्यप्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बैठक का समापन परिषद के सचिव आशीष कुमार अम्बष्ट द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

खेल से शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है : आनंद महतो

बलियापुर (सासे) : कुसमाटांड़ कुसमाटांड़, सिद्धूकान्हू युवा फुटबॉल मैदान में एक महीना से खेल क्लब मुकुंदा एवं सिद्धू-

चल रहे फुटबॉल समर कैम्प का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर क्षेत्र के पूर्व विधायक आनंद महतो मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। समर कैम्प में विधायक श्री महतो ने खेल को सिद्धू कानू युवा खेल क्लब मनुष्य का अभिन्न अंग बताया। कहा कि खेल से युवाओं को शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। मौके पर मौजूद कान्हू युवा खेल क्लब निपानिया के खिलाड़ियों ने भाग लिया। सामापन के मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए पूर्व विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री तारा देवी ने भी युवाओं को खेलकूद के लिए समय निकालना चाहिए। समारोह विशिष्ट अतिथि में प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, जिला परिषद सदस्य श्वेता कुमारी, सुनील महतो, सुनील मोदक, विधायक प्रतिनिधि हीरालाल मोदक, अजय महतो, मुक्तेश्वर महतो, धर्मेंद्र महतो, राजू महतो, काशीनाथ मंडल, विश्वामित्र के अलावा अध्यक्ष रवि महतो, महेंद्र निषाद,राम महतो, विवेक महतो, सूरज कुमार महतो, अजय सोरेन, संजय महतो, रॉबिन बासकी, मनोज रवानी आदि थे।

फरार अभियुक्त गिरफ्तार

लोयाबाद (सासे) : लोयाबाद थाना काण्ड संख्या ५२/ २०२४, धारा१९१ (२)/ १९१(३) /१९०/१२६(२)/११५(२) ३५२/ ३५१(२) / ३५१(३) /१०९/ ३०८(२) /७४ भारतीय न्याय संहिता बीएनएस२०२३ एवं २७ आयुद्ध अधिनियम१ ९५९ तथा ३/४ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के फरार प्राथमिकी अभियुक्त अभिनाश कुमार उर्फ उल्टू पितासुनील प्रसाद लोयाबाद रेलवे स्टेशन निवासी को गुप्त सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है।

झा. सरकार अत्यंत पिछड़ा समाज का गठन करें : युवा महासभा

धनबाद (कासं) : धनबाद परिषदन में युवा, अभाचंझ महासभा, झारखण्ड प्रदेश कार्यकारणी की एक अति आवश्यक बैठक रखी गई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आकाश रवानी ने किया और संचालन पवन ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगठन का विस्तार किया गया। साथ ही सभी युवाओं को निर्देशित किया गया कि १८ और १९ जुलाई को रांची में होनेवाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दे। मुख्य रूप से अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे समाज के युवाओं को एक आवाज देने की जरूरत है। हमारे भाई सूरज सिंह जी को जिस प्रकार झूठी केस मे फंसाया गया है ये बिल्कुल निंदनीय है। हमारा संगठन १ जुलाई को लातेहार जिला पहुंच कर सम्बंधित अधिकारियों से मिलेगा ओर न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। वहीं वरीय उपाध्यक्ष

राहुल चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज हमारा अब एक हो रहा है। हमे हमारा राजनैतिक अधिकार छीन कर लेना होगा। नए पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष गोलू रवानी, उपाध्यक्ष वैभव चंद्रवंशी, अभय चंद्रवंशी एवं सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

क्रेडो वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों ने दिखाया दम, जीते 23 स्वर्ण पदक

धनबाद (कासं) : धनबाद डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित १५वीं धनबाद जिला तैराकी चैंपियनशिप का आयोजन क्रेडो वर्ल्ड स्कूल के स्विमिंग पूल परिसर में किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों एवं तैराकी प्रशिक्षण केंद्रों से आए उभरते खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष सौरभ पांडेय, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेलवे तथा शर्मिला सिन्हा प्राचार्या, क्रेडो वर्ल्ड स्कूल उपस्थित रहीं। अतियियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ भविष्य का महत्वपूर्ण

आधार बताया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि धनबाद के बच्चों में तैराकी के प्रति बढ़ता उत्साह जिले के खेल भविष्य के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है।

संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह ने सभी अतियियों, अभिभावकों, प्रतिभागियों, प्रायोजकों एवं सहयोगी संस्थाओं का स्वागत करते हुए कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य धनबाद के प्रतिभाशाली तैराकों को जिला स्तर से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए आरना अग्रवाल, अवि अक्षज प्रेमित एवं दिया सेन ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पांचपांच स्वर्ण पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की। इनके अतिरिक्त अंकित राज ने ४ स्वर्ण एवं १ रजत पदक, नमन महाजन ने ४ स्वर्ण पदक जीतकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में निवान अग्रवाल, शौर्य, समर प्रताप सिंह, आख्यान वर्मा, दिवांशी, दिव्यांशी, गीतिशा सिन्हा और स्पर्श नंदन ने दोदो स्वर्ण पदक जीते। वहीं वरुणी ने एक स्वर्ण एवं दो रजत पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने प्रतियोगिता को अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक और यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं प्रायोजक के रूप में शिवम अग्रवाल, डॉ. नीलम बाला बालाजी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, अंजनी कुमारी, प्रेरणा सहाय एवं श्रीकृष्ण किशोर सहाय उपस्थित रहे। सभी अतियियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में हिमांशु डोकानिया, आलोक अग्रवाल, अमित कुमार प्रेमित एवं डॉ. नीलम बाला ने सक्रिय भूमिका निभाई। एसोसिएशन ने क्रेडो वर्ल्ड स्कूल प्रबंधन, सभी सहयोगी संस्थाओं, प्रायोजकों, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यू विनायक टेलीकॉम की दूसरी शाखा का भव्य शुभारंभ

गिरिडीह (ससे): शहर के बस स्टैंड रोड स्थित न्यू विनायक टेलीकॉम के २५वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठान की दूसरी शाखा (ब्रांच-२) का रविवार को भव्य उद्घाटन किया गया। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, गिरिडीह की महापौर प्रमिला मेहरा तथा उपमहापौर सुमित कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपस्थित नगर विकास मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू ने प्रतिष्ठान के संचालक मनीष विनायक को २५ वर्षों की सफल व्यावसायिक यात्रा के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में मोबाइल फोन लोगों की दैनिक जरूरत का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में ग्राहकों को बेहतर सेवा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह नई शाखा महत्वपूर्ण साबित होगी। वही महापौर और उप महापौर ने भी संचालक को शुभकामनाएं दी।

वहीं, संचालक मनीष विनायक ने बताया कि उनकी पहली शाखा विनायक टेलीकॉम के सफलतापूर्वक २५ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दूसरी शाखा न्यू विनायक टेलीकॉम के नाम से शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस नए प्रतिष्ठान में ग्राहकों को मोबाइल, एक्सेसरीज, एक्सचेंज, फाइनेंस सहित सभी प्रकार की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि नई शाखा का संचालन उनके पुत्र श्रेष्ठ कुमार की देखरेख में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, शुभचिंतक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और अतिथियों ने प्रतिष्ठान की उज्वल भविष्य की कामना की।

नावाडीह में 26 हजार नौनिहालों ने पी दो बूंद जिंदगी की

नावाडीह (बेरमो) : राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान नावाडीह प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार को २६ हजार ३९ नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाई गई । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नावाडीह में इस अभियान का शुभारंभ प्रमुख पूनम देवी ने नौनिहाल को पोलियो खुराक पिलाकर की । जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नावाडीह के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा राकेश भारतीय ने दी । उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से नावाडीह में २८,३५५ नौनिहालों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । अभियान के पहला दिन पर्यवेक्षिक, स्वास्यकर्मी, सहिया, सेविका आदि के सकारात्मक पहल से बनाए गए विभिन्न बूथ व ट्रांजिट बूथ पर २६,०३९ नौनिहालों को पोलियो खुराक पिलाया गया । शेष छूटे बच्चों को स्वास्थ्य कर्मी व सहिया - सेविका घर घर भ्रमण कर नौनिहालों को पोलियो खुराक पिलाने का काम करेंगी ।

पोलियो उन्मूलन अभियान की शुरुआत

डुमरी (ससे): प्रखंड के विभिन्न पोलियो बूथों पर रविवार से ३ दिवसीय पोलियो उन्मूलन अभियान की शुरुआत हुई। इस दौरान रेफरल अस्पताल में अभियान की शुरुआत उपप्रमुख उपेन्द्र महतो प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो ने बच्चों को दो बूंद की पोलियो ड्रॉप्स पिला कर की।इसके पूर्व सभी ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काट कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य ० से ५ वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है।कहा कि पहले दिन २४० पोलियो बूथों में पोलियो ड्रॉप्स को पिलाया गया वहीं दूसरे व तीसरे दिन घर घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। बताया कि ४८० कर्मियों को पोलियो बूथों में लगाया गया है वहीं ५० सुपरवाइजर तथा १२ पोलियो वैन भी कार्य में लगे है ताकि एक भी पात्र बच्चा छूट ना जाये।बताया कि ३६५५६ बच्चों को पोलियो दवा पिलाने का लक्ष्य है।इस दौरान लोगों से अपील की गई कि वे अपने आसपास के सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक पिलवाएं और किसी भी बच्चे को इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहने दें।वहीं उप प्रमुख ने भी क्षेत्र वासियों से पल्स पोलियो अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही पोलियो मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।पोलियो उन्मूलन अभियान में सहियाओं एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ साथ एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया गया है।

मौके पर डॉ कामेश्वर महतो,डॉ सरोज कुमारी,डॉ बिदुषी,डॉ राहुल अग्रवाल,डॉ पावेल पराशर, डॉ डॉ मंसूर आलम बीटीटी मानिकचंद महतो, उषा देवी, अर्जुन मोदी एमटीसी मालो कुमारी, बिजेता राज, अनिता खलको एएनएम ममता समद, रानी सहित बीडीएम विक्की कुमार सहिया गुरिया कुमारी आदि सभी स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।वहीं मिजिजाम कुर्मी पाड़ा में भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गयी। इस दौरान आंती देवी, रेखा कुमारी सिन्हा, हिमानी मुर्मू आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर सफल

गिरिडीह (ससे): मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह में रविवार को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में ३०० से अधिक मरीजों ने पहुंचकर विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों से निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त किया और उपलब्ध जांच सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान मरीजों के लिए शुगर एवं बी.पी. की निःशुल्क जांच की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही २ऊ एलहे एवं झत्र्ढ जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरीजों को जांच एवं उपचार पर २० प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की गई।

इस शिविर में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें सर्जरी विभाग से डॉ. अनुज अनिल लड्डा, हड्डी रोग विभाग से डॉ. रोइश उद्दीन, मेडिसिन विभाग से मो. शहजाद शेख, स्त्री रोग विभाग से डॉ. लीलावती पाडिगेला, बाल रोग विभाग से डॉ. प्रियंका अग्रवाल, दंत रोग विभाग से डॉ. विशाल शाहाबादी एवं डॉ. सौरभ जगनानी, कान-नाक-गला विभाग से डॉ. विवेक डोकानिया, अल्ट्रासाउंड विभाग से डॉ. निकेश सिंह तथा त्वचा रोग विभाग से डॉ. फरहा आजाद शामिल रहे।

मर्सी हॉस्पिटल के उएज डॉ. पी. एच. मिश्रा ने कहा कि मर्सी हॉस्पिटल का उद्देश्य गिरिडीह एवं आसपास के लोगों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर में ३०० से अधिक मरीजों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि लोगों का अस्पताल पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है। हमारा प्रयास है कि विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं आम जनता को एक ही स्थान पर उपलब्ध हों, ताकि मरीजों को बेहतर इलाज और समय पर परामर्श मिल सके। आने वाले समय में भी मर्सी हॉस्पिटल जनहित में इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा।

शिविर में पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों ने मर्सी हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना की। लोगों ने कहा कि इस प्रकार के शिविर से आमजन, विशेषकर जरूरतमंद मरीजों को काफी राहत मिलती है और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मर्सी हॉस्पिटल आगे भी समय-समय पर जनकल्याणकारी स्वास्थ्य शिविर, जांच शिविर एवं विशेष परामर्श कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, ताकि गिरिडीह एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलती रहें।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत सदर अस्पताल में कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

बोकारो (ससे): रविवार को सदर अस्पताल सभागार में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि बोकारो जिले में इस अभियान के दौरान कुल ३,८३,६८८ बच्चों तक पहुंचकर उन्हें पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले में २,००५ पोलियो बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बूथ डे के दौरान अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि हाउस-टू-हाउस अभियान के दौरान कम से कम बच्चों की पहचान करनी पड़े और निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहियाओं एवं अभियान से जुड़े कर्मियों से पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त देश है, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आते हैं। ऐसे में संक्रमण का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक अभियान में पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अभियान की थीम पोलियो पर जीत रहे बरकरार.. है, जिसे जनभागीदारी से सफल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. सेलिना टुडू, डॉ. निकैत चौधरी, पवन कुमार श्रीवास्तव, जिला महामारी विशेषज्ञ अमित कुमार, जिला लेखा प्रबंधक उर्मिला कुमारी, अभय कुमार, मोहम्मद असलम, फनी भूषण सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

नेहा के इलाज को आदिवासी कल्याण ट्रस्ट ने की मदद

नावाडीह (बेरमो) (ससे) : आदिवासी जनकल्याण ट्रस्ट शांतिवन भलमारा ने रविवार को बोकारो में इलाजरत जैनामोड़ के केन्दुवाडीह निवासी २२ वर्षीय नेहा कुमारी को दस हजार रुपये नगद देकर मदद की । ट्रस्ट के अध्यक्ष रविन्द्र सोरेन ने बताया कि उनका यह संस्था कृषि के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में भी काम करती है । गरीब व लाचार आदिवासी लोगों को इलाज के लिए संस्था हरसंभव मदद करने का काम करती है । इसी के तहत नेहा को इलाज के लिए आर्थिक मदद किया गया । सचिव दुखन सोरेन ने बताया कि आदिवासी समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने को ले उन्हें आधुनिक खेती करने को प्रशिक्षण के साथ साथ यंत्र व खाद्य बीज उपलब्ध कराया जा रहा है । साथ ही शिक्षा को बढ़ावा देने का हर प्रयास किया जा रहा है । यहां सचिव दुखन सोरेन, सुनिता देवी, चुन्नुलाल किस्कु आदि उपस्थित थे ।

ग्रामीणों ने सांसद से की फुट ओवर ब्रिज बनाने की मांग

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर-साहेबगंज रोड स्थित पाथुरिया मोड़ में ग्रामीणों का सड़क पार करना मुश्किल भरा काम हो गया है। जब से सड़क की फोरलेनिंग हो रही है, तब से सड़क के पूर्वी भाग से पश्चिमी भाग जाना विकट समस्या हो गई है। फोरलेनिंग का काम पूरा होने के बाद भी ग्रामीणों की यह समस्या बरकरार रहेगी, क्योंकि दोनों सड़क की ऊंचाई में काफी फासला है। इस समस्या के समाधान के लिए पाथुरिया क्षेत्र के लोगों ने पहल की है और यहां के ग्रामीण सांसद ढुलू महतो के पास पहुंचे और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को पत्र लिखकर फुट ओवर ब्रिज बनाने की अपील की। ग्रामीणों ने पत्र में कहा गया है कि सड़क की फोरलेनिंग स्वागतयोग्य है, परंतु पाथुरिया मोड़ के पास सड़क पार करने में काफी असुविधा होती है। उक्त स्थल पर दुर्घटना की बराबर आशंका बनी रहती है। इस मौके पर भाजपा नेता धरनीधर मंडल भी मौजूद थे। पत्र देने वालों में भाजपा ग्रामीण ओबीसी मोर्चा के महामंत्री राजेश दास, सुबल दास, धनंजय दास, हलधर दास, विपिन दास, सुशांत दास, बुम्बा गोस्वामी, लतीफ अंसारी, जलील अंसारी, मुन्ना गोराईं, जादू गोराईं, कबीर अंसारी आदि शामिल हैं। पत्र की प्रतिलिपि राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय साहेबगंज रोड प्रोजेक्ट के परियोजना निदेशक को भी दी गई है।

किसान खेती कर बने आत्मनिर्भर : पूनम

नावाडीह (बेरमो) (ससे): किसान खेती कर आत्मनिर्भर बनने के दिशा में काम करें । आधुनिक खेती कर कम समय में बेहतर उत्पादन कर बेहतर आमदनी किया जा सकता है । यह बातें नावाडीह प्रमुख पूनम देवी रविवार को नावाडीह के परसबनी पंचायत अंतर्गत धावाटांड स्थित सिंह मोड़ में बीज भंडार प्रतिष्ठान उद्घाटन के पश्चात किसानों को संबोधित करते हुए कही । इससे पहले प्रमुख पूनम देवी, उप प्रमुख हरिलाल महतो, मुखिया संजू कुमारी, पंसस ममता भट्टाचार्य आदि ने संयुक्त रुप से नारियल फोड़ व फीता काटकर किया । प्रमुख ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को खेती के दौरान गुणवत्तायुक्त खाद्य, बीज आदि नहीं मिलने से परेशानी होती थी । किन्तु यह प्रतिष्ठान के खुल जाने मात्र से किसानों को राहत मिलेगा । यहां धान, मटर, लौकी, चना, खीरा, गाजर, उड़द, अरहर सहित विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों को खेती में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां संचालक सह मुखिया सह के पूर्व नावाडीह प्रखंड अध्यक्ष रामपुकार प्रसाद महतो ने कहा किसानों को हर सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा । यहां कुंजबिहारी महतो, डेगलाल महतो, रेवतलाल महतो, बिहारी प्रजापति, मोतीलाल हांसदा आदि उपस्थित थे ।

स्थानीय थाना प्रभारी - पुलिस बल की मौजूदगी में चला अभियान

बोकारो (ससे): रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी (चास) प्रांजल ढांडा के नेतृत्व में कार्यपालक दंडाधिकारी जया कुमारी, सेक्टर १२ थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह एवं बालीडीह थाना प्रभारी संदीप व पुलिस बल द्वारा सेक्टर-१२ एवं थाना क्षेत्र में औचक छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल के भंडारण तथा क्रय-विक्रय के मामले का भंडाफोड़ किया गया।छापेमारी के दौरान विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में ड्रम में पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल का अवैध भंडारण पाया गया।

पहले टीम द्वारा छापेमारी आरबीएस कॉलेज समीप सेक्टर १२ में तेल का टैंकर (एचपीसीएल ट्रांसपोर्टर) एवं ड्रम में भारी मात्रा में अवैध रूप से ड्रम में पेट्रोल - डीजल बरामद* किया गया।

वहीं, दूसरा बालीडीह थाना क्षेत्र बीपीसीएल प्लांट समीप सीमलदुही के समीप भी भारी मात्रा में ड्रम में पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल टीम द्वारा बरामद किया गया। सभी को जब्त कर लिया* गया है। टीम द्वारा तीसरे स्थान गरगा डैम समीप झोपरा में छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां एक छोटा तेल टैंकर वाला वाहन,कुछ खाली ड्रम एवं कुछ सामग्री बरामद हुआ। एसडीओ चास ने स्पष्ट किया कि जन सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध ईंधन कारोबार के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध भंडारण एवं कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल-इथेनॉल का भंडारण अथवा बिक्री की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। खबर लिखे जाने तक जब्त पेट्रोल - डीजल - इथेनॉल की मात्रा की मापी एवं एच.पी.सीएल एवं बी.पी.सीएल द्वारा आगे की कार्रवाई* जारी थी। राधानगर में बीपीसीएल कंपनी के कर्मी श्री संतोष प्रसाद पहुंच अग्रेत्तर कार्रवाई कर रहे थे।

२७ जून को वार्षिक क्लब पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे रोटरी वर्ष के दौरान प्रदर्शित सेवा भावना, सौहार्द और टीमवर्क का उत्सव मनाया गया।

अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा पूरे वर्ष क्लब को मिले सहयोग के लिए सभी रोटेरियंस एवं उनके परिवारों का आभार व्यक्त किया। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने भी सभी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि प्रत्येक रोटेरियन ने क्लब की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने एक विशेष पहल करते हुए सभी रोटेरियंस को उनके परिवार सहित मंच पर आमंत्रित किया तथा उन्हें उपहार भेंट किया, जिसे उन्होंने सभी के समर्पण और योगदान के प्रति आभार का प्रतीक बताया।

क्लब द्वारा रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी, रोटेरियन डॉ. जॉन लियू, रोटेरियन डॉ. अनिल त्रेहन, रोटेरियन चंद्रिमा राय एवं रोटेरियन संध्या राज को उत्कृष्ट योगदान के लिए एशाश्रिरीू ठेंरीळरप ुरीव से सम्मानित किया गया। वहीं प्रतिष्ठित ठरोटेरियन अशोक तनेजा, रोटेरियन डॉ. राजदीप, रोटेरियन प्रदीप राय एवं सचिव रोटेरियन घनश्याम दास को उनके उत्कृष्ट सेवा एवं समर्पण के लिए प्रदान किया गया।

अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह ने सचिव रोटेरियन घनश्याम दास को विशेष सम्मान से भी अलंकृत किया, जिसमें उनके असाधारण योगदान को सराहा गया, क्योंकि उन्होंने वर्ष भर सचिवीय दायित्वों के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्षीय दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

इस अवसर पर क्लब के सभी स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

अपने धन्यवाद ज्ञापन में सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने सभी सदस्यों एवं उनके परिवारों का आभार व्यक्त किया, नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहन का स्वागत किया, उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा आगे भी पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। रोटेरियन चंद्रिमा राय, रोटेरियन संध्या राज सहित अन्य सदस्यों ने भी सचिव के निरंतर परिश्रम, समर्पण एवं नेतृत्व की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें क्लब ने णपळींश षी त्रेह्ल से आगे बढ़ते हुए ऊीशरींळपस ड्रींळपस खारिलीं की दिशा में कदम बढ़ाया और रोटरी के सेवा भाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।

अप्राकृतिक यौनाचार का आरोपी गिरफ्तार

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के कुस्तौर निवासी ११ वर्षीय लड़के के साथ वही का १९ वर्षीय युवक ने अप्राकृतिक यौनाचार किया।

जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गया। भुक्तभोगी लड़का गुंगा और बहरा था। पुलिस ने भुक्तभोगी घायल लड़का को ईलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया है।

बसपा झरिया विधानसभा की कमिटी गठित

झरिया (ससे) : बहुजन समाज पार्टी झरिया विधानसभा अंतर्गत स्थान लक्ष्मी कोलियरी में झरिया विधानसभा कमिटी गठित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता धनबाद जिला अध्यक्ष अभय कुमार एवं संचालन धनबाद जिला उपाध्यक्ष गणेश भारती ने किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में बसपा के झारखंड प्रदेश सचिव गौतम कुमार उपस्थित थे। इसमें सर्व सहमति से यह निर्णय लिया गया कि झरिया विधानसभा अध्यक्ष महादेव भुईयां, विधानसभा प्रभारी विनोद पासवान, उपाध्यक्ष अजीत दास, महासचिव सूरजभान प्रसाद, सचिव नरेश राम, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, बामसेफ संयोजक ब्रिजेश कुमार, बीवीएफ अध्यक्ष मिराज आल्म को बनाया गया। इस मौके पर रामेश्वर प्रसाद सनोज कुमार, जावेद अंसारी, ओम भारती उपस्थित थे।

भरत तिवारी को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : मटकुरिया चेक पोस्ट से बिरसा मुंडा चौक (बैंक मोड़) तक सैकड़ों लोगों ने भरत तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कैम्डल मार्च समाजसेवी राकेश दुबे के नेतृत्व में निकाला। कैम्डल मार्च मे उपस्थित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कहा कि भोजपुर के भरत तिवारी का फेक एनकाउंटर मे पुलिस, प्रशासन एवं बड़े नेता भी संलिप्त है। पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच हो तथा दोषियों पर दफा ३०२ का मुकदमा चले। समाजसेवी दिलीप सिंह ने स्व. भरत भूषण तिवारी को शहीद का दर्जा देने की मांग की है एवं भरत तिवारी के परिजन को आर्थिक मदद की भी मांग की। युवाओ के लिए भरत तिवारी आदर्श व्यक्तित्व है और युवाओ को उनके सकारात्मक सोच का अनुसरण करना चाहिए।

राम मंदिर ट्रस्टः इस्तीफे का मतलब ये नहीं कि पद खाली हो गया

अयोध्या,(ईएमएस): राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के दो प्रमुख पदाधिकारियों के इस्तीफे के बाद, ट्रस्टी के पद छोड़ने की प्रक्रिया और उसके कानूनी पहलुओं को लेकर गहन चर्चा शुरू हो गई है। यह सवाल प्रासंगिक हो उठा है कि क्या महज इस्तीफा पत्र सौंप देने से ही पद स्वतः खाली हो जाता है, या इसके लिए ट्रस्ट की ओर से औपचारिक स्वीकृति आवश्यक है। एक सार्वजनिक धार्मिक ट्रस्ट होने के नाते, इसके प्रत्येक निर्णय का न केवल धार्मिक बल्कि कानूनी और प्रशासनिक महत्व भी होता है, जिसने हालिया घटनाक्रम के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और नियमों में लोगों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन वर्ष २०२० में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद केंद्र सरकार द्वारा किया गया था। यह ट्रस्ट भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, १८८२ और अपने ट्रस्ट डीड में निर्धारित विस्तृत प्रावधानों के तहत संचालित होता है। यद्यपि ट्रस्ट डीड का पूरा दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है, फिर भी लागू कानूनों और ट्रस्ट की आधिकारिक जानकारी के आधार पर इस्तीफे की प्रक्रिया को विस्तार से समझा जा सकता है।

कानूनी प्रावधानों के अनुसार, किसी ट्रस्टी का पद केवल इस्तीफा पत्र देने से तत्काल समाप्त नहीं हो जाता। सामान्य प्रक्रिया में, संबंधित सदस्य को अपना लिखित इस्तीफा ट्रस्ट के अध्यक्ष, महासचिव या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी को सौंपना होता है। इस पत्र को ट्रस्ट के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है और इसकी अगली निर्धारित बैठक के एजेंडे में शामिल किया जाता बैठक के दौरान, ट्रस्ट के सदस्य सामूहिक रूप से इस्तीफे पर विचार करते हैं और ट्रस्ट डीड तथा लागू नियमों के अनुसार निर्णय लेते हैं। जब तक ट्रस्ट औपचारिक रूप से इस्तीफे को स्वीकार नहीं कर लेता, तब तक संबंधित व्यक्ति कानूनी तौर पर अपने पद पर बना रह सकता है। भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, १८८२ की धारा ४६ स्पष्ट करती है कि एक ट्रस्टी सामान्य परिस्थितियों में अपनी इच्छा से तुरंत पद नहीं छोड़ सकता। इसके लिए या तो ट्रस्ट डीड में विशेष प्रावधान होना चाहिए, या सभी लाभार्थियों की सहमति अनिवार्य है, अथवा किसी आवश्यक स्थिति में सक्षम न्यायालय की अनुमति लेनी पड़ सकती है।

सार्वजनिक ट्रस्टों के मामले में, आम जनता को ही लाभार्थी माना जाता है, इसलिए ट्रस्ट की आंतरिक प्रक्रिया और कानूनी प्रावधानों का पालन अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। इसके अतिरिक्त, अधिनियम की धारा ७३ और ७४ रिक्त पदों पर नए ट्रस्टियों की नियुक्ति के लिए भी विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान करती हैं, जिससे ट्रस्ट का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कुल १५ सदस्य होते हैं, जिनमें स्थायी, नामित और पदेन सदस्य शामिल हैं। किसी भी सदस्य के इस्तीफे से केवल एक पद ही रिक्त नहीं होता, बल्कि यह ट्रस्ट की समग्र प्रशासनिक और निर्णय लेने की व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है। इसलिए, इस्तीफा स्वीकार होने के उपरांत रिक्त पद पर नए सदस्य की नियुक्ति की प्रक्रिया भी तत्परता से शुरू की जाती है। यदि रिक्त हुआ पद सरकार द्वारा नामित किसी सदस्य का हो, तो इसमें संबंधित सरकार की भूमिका भी सामने आती है, जबकि अन्य मामलों में ट्रस्ट डीड के प्रावधानों के अनुसार निर्णय लिया जाता है। ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्शन व्यवस्था, दान प्रक्रिया, निर्माण कार्य और सदस्यों से जुड़ी कुछ जानकारी उपलब्ध है, लेकिन इस्तीफे की विस्तृत प्रक्रिया या ट्रस्ट डीड का पूरा पाठ सार्वजनिक रूप से जारी नहीं किया गया है। ऐसे में, ट्रस्ट की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों और भारतीय ट्रस्ट अधिनियम के प्रावधानों को ही प्रमुख आधार माना जाता है।

विशेषज्ञों का मत है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और दान से जुड़े इस सार्वजनिक ट्रस्ट में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि किसी इस्तीफे को लेकर कोई विवाद उत्पन्न होता है या प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं, तो मामला अंततः न्यायालय तक भी पहुंच सकता है। अतः ट्रस्ट की आंतरिक व्यवस्था, ट्रस्ट डीड और भारतीय ट्रस्ट अधिनियम के सभी नियमों का पूर्णतः पालन करना अत्यंत आवश्यक माना जाता है ताकि किसी भी तरह की विसंगति या अविश्वास की स्थिति से बचा जा सके।

राबड़ी देवी के सरकारी आवास खाली करने को लेकर तैयारियां तेज

पटना (एजेंसी): राबड़ी देवी के सरकारी आवास खाली करने को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी जल्द ही १० सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करेंगी, लेकिन इससे पहले उन्होंने भक्त निर्माण विभाग को पत्र लिखकर विभाग की ओर से मुहैया कराई गई सभी सरकारी सामानों की पूरी सूची और चार्ज रजिस्टर की मांग की है, ताकि सामान सौंपते समय किसी तरह का विवाद या कथनूली परेशानी उत्पन्न न हो। इसे लेकर विभाग को पत्र भी भेज दिया गया है।

दरअसल राबड़ी देवी का कहना है कि बंगला खाली करते समय हर सामान का रिकॉर्ड से मिलान किया जाएगा, ताकि हैंडओवर की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे और भविष्य में किसी तरह का प्रशासनिक या कानूनी विवाद पैदा न हो। पत्र में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आवास में पैकिंग और शिफ्टिंग का काम अंतिम चरण में है। विभाग द्वारा तय २९ जून की समयसीमा के भीतर बंगला खाली कर दिया जाएगा। इस पत्र में उन्होंने यह भी कहा कि ३९ हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास का निर्माण कार्य पूरा होने की आधिकारिक सूचना अभी तक उन्हें नहीं मिली है।

राबड़ी देवी का यह कदम पहले हुए तेजस्वी यादव के सरकारी बंगले से जुड़े विवाद के बाद काफी अहम माना जा रहा है। तेजस्वी द्वारा ५ देशरत्न मार्ग स्थित सरकारी आवास खाली करने के दौरान वहां मौजूद सरकारी सामान को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। कहा जा रहा है कि इसी अनुभव से सबक लेते हुए राबड़ी देवी ने इस बार पहले से ही चार्ज रजिस्टर और सरकारी सामान की सूची उपलब्ध कराने की मांग की है। सरकारी नियमों के अनुसार, आवास खाली करते समय विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए सभी सामान का रिकॉर्ड से मिलान करना अनिवार्य होता है।

मन की बात कार्यक्रम से विकसित भारत का संकल्प हो रहा मजबूत : संजय सरावगी

पटना (एजेंसी): भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने रविवार को पटना स्थित अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के १३५वें संस्करण को सुना। कार्यक्रम खत्म होने के बाद उन्होंने कहा कि 'मन की बात' से विकसित भारत का संकल्प मजबूत हो रहा है। यह कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देशवासियों को राष्ट्र निर्माण, आत्मनिर्भरता, जनभागीदारी और सेवा के लिए प्रेरित करने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का प्रत्येक एपिसोड समाज के हर वर्ग को सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित में योगदान देने का संदेश देता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय नौसेना में शामिल स्वदेशी युद्धपोतों, नालंदा विश्वविद्यालय की गौरवशाली ज्ञान परंपरा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे विषयों का उल्लेख किया। इस दौरान स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता और विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी पर भी प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

इधर, भाजपा प्रदेश कार्यालय स्थित अटल सभागार में भी 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, पूर्व मंत्री नीरज कुमार बबलू, राज्यसभा सांसद शंभू शरण पटेल, विधान पार्षद निवेदिता सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को सुनने के बाद सभी ने प्रधानमंत्री के संदेशों को विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रेरणादायी बताया।

नवादा में शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग पांच लाख का सामान जलकर राख

नवादा (एजेंसी): नवादा में रविवार को शॉर्ट सर्किट लगने से एक दुकान में आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखे करीब ५ लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना जिले के सिरदला थाना क्षेत्र के लौंद बाजार की है।

पीड़ित दुकानदार सुधीर सिंह ने बताया कि शनिवार शाम करीब ६ बजे उन्होंने दुकान बंद की थी। रविवार सुबह करीब ८ बजे जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने देखा कि अंदर से धुंआ और आग की लपटें उठ रही है। इसे देख वे घबरा गए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतना भयावह थी कि उस पर काबू नहीं पाया जा सका। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया।

पूछताछ में पीड़ित दुकानदार सुधीर सिंह ने बताया कि इस अग्निकांड में उन्हें करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि दुकान में रखा फर्नीचर, बर्तन और अन्य सामान जलकर बर्बाद हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने उक्त इलाके में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की मांग की है, साथ ही पीड़ित दुकानदार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

रिशु श्री केस मामले में तेजस्वी का खुला चैलेंज

पटना (एजेंसी): बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कथित रिशु श्री मामले को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार के कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले में केवल छोटे अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली लोगों को बचाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को ललकारते हुए कहा कि उनमें अगर हिम्मत है तो वे उनके २० सवालों का जवाब दें।

तेजस्वी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' का दावा करने वाली सरकार के कार्यकाल में लगातार घोटाले सामने आ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि रिशु श्री से जुड़ी कंपनियों को सरकारी टेंडर कैसे मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि ईडी की जांच में जिन अधिकारियों के नाम सामने आए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई। दो आईएएस अधिकारियों के निलंबन के बावजूद चार्जशीट में उनके नाम क्यों नहीं हैं। कथित घोटाले की कुल राशि अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि ई-टेंडरिंग व्यवस्था होने के बावजूद कथित अनियमितताएं कैसे हुईं। संबंधित विभागों के मंत्रियों ने अब तक नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा क्यों नहीं दिया।

उन्होंने राज्य की आर्थिक और प्रशासनिक स्थिति पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि जब से सम्राट सरकार बनी है तब से बिहार में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था ज्यादा बढ़ गई है। सरकार आम जनता के मुद्दों से ध्यान हटा रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि एसवीयू की चार्जशीट में कई अहम नामों को शामिल नहीं किया गया। साथ ही यह भी कहा कि कुछ अधिकारियों के परिवारों की कंपनियों को सरकारी ठेकों का लाभ पहुंचाया गया। तेजस्वी ने सरकार से इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की

बिहार को मिलेगा पहला मॉडल स्कूल सीएम सम्राट चौधरी करेंगे उद्घाटन

पटना (एजेंसी): बिहार का पहला मॉडल स्कूल का आज उद्घाटन होना है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ३ बजे इसका उद्घाटन करेंगे। पटना में दरियापुर स्थित पटना कोलिजिएट हाई स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में चयनित किया गया है। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री पटना साइंस कॉलेज का दौरा कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। राज्य में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में सरकार लगातार कदम उठा रही है। इसी कड़ी में विकसित किए गए मॉडल स्कूलों में अब छात्रों को स्मार्ट क्लास, आईएसएम लैब और विज्ञान विषयों की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही खेल, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नए शिक्षकों की नियुक्ति भी की गई है, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री सम्राट शाम ४:५० बजे पटना साइंस कॉलेज का दौरा करेंगे। इस दौरान वे भौतिकी, भूविज्ञान, प्राणि विज्ञान और रसायन विज्ञान सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री पहले ही साइंस कॉलेज में शाम की कक्षाएं शुरू करने की घोषणा कर चुके हैं। दौरे के दौरान इस व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी, साथ ही इसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों पर चर्चा होगी। सरकार का मानना है कि मॉडल स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों के सुदृढ़ीकरण से राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

लखनऊ के कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग

:लखनऊ,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र स्थित एक कोल्ड स्टोरेज में रविवार सुबह भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर तक धुएं का घना गुबार दिखाई देता रहा। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की १५ गाड़ियां और दो हाइड्रोलिक मशीनें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

जानकारी के अनुसार, लखनऊ-अयोध्या हाईवे के किनारे स्थित लगभग ३५ वर्ष पुराने हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में रविवार सुबह करीब ६:३० बजे आग लगी। शुरुआती प्रयासों के बाद जब आग पर नियंत्रण मिलता दिखाई दे रहा था, तभी करीब छह घंटे बाद आग एक बार फिर तेजी से भड़क उठी, जिससे बचाव कार्य और चुनौतीपूर्ण हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने एहतियातन पास स्थित दयाल रेजीडेंसी कॉलोनी के करीब ५० घरों को खाली करा लिया। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। कोल्ड स्टोरेज में इस समय हल्दी, मिर्च और अन्य किराना सामग्री का भंडारण किया गया था। इसके अलावा परिसर के कुछ हिस्सों में लकड़ी और बुरादा भी रखा हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, लकड़ी और बुरादे के कारण आग बार-बार सुलगती रही, जिससे उसे पूरी तरह बुझाने में काफी समय लग रहा है।

यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी, अब होगी दस्तावेज जांच

लखनऊ,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) ने होमगार्ड भर्ती २०२६ की लिखित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम और स्कोरकार्ड देख सकते हैं। राज्य सरकार इस भर्ती अभियान के तहत ४१,४२४ पदों पर नियुक्तियां करेगी।

लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को अब दस्तावेज सत्यापन और शारीरिक दक्षता परीक्षा की प्रक्रिया से गुजरना होगा। बोर्ड ने पात्र उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है।

किसी ने महंगी जमीन व फ्लैट खरीदे तो किसी ने लक्जरी गाड़ियां, बन गए धनवान

अयोध्या,(ईएमएस): राम मंदिर की कई व्यवस्थाओं से जुड़ने के उपरांत चढ़ावा चोरी में पकड़े गए आरोपितों की आर्थिक स्थिति सुधरती चली गई थी। किसी ने महंगी जमीनें खरीदीं, तो किसी ने फ्लैट। किसी ने लग्जरी वाहन खरीद लिए, तो किसी ने बना बनाया घर। यही नहीं गगनत कार्य से इन कर्मियों को जोड़ा गया, तो इसमें ज्यादा लाभ को देखकर कइयों ने अपने रिश्तेदारों को भी ट्रस्टियों से पैरवी करके रखवा दिया गया। इससे भी बात नहीं बनी, तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अनुशंसा करा दी।

जानकारी के मुताबकि आरोपित लाभ कमाते रहे, अपने रिश्तेदारों और परिजनों की भी यदा-कदा सहायता करते रहे। आरोपितों के जेल चले जाने के बाद अब इनके परिजनों में मायूसी है, तो कुछ मंदिर से जुड़े अन्य लोगों की भी इसमें संलिप्तता की बात कह कर न्याय मिलने की आस संजोए हैं। मिल्कीपुर के बसावां गांव के रहने वाले अनुकूल मिश्रा का परिवार पहले जैसे-तैसे गुजर-बसर करता रहा।

बताते हैं जब उसे एक ट्रस्टी व कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निकटता का लाभ मिला और वह एक कर्मी के रूप में मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ा तो कुछ ही समय में पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति बदल गई और इसका परिवार गांव में धनी परिवारों में शामिल हो गया।

अनुकूल मिश्रा की चाची नेहा मिश्रा की मानें तो उसने अपने अन्य चाचा की भी मदद की और रिश्तेदारों की भी। स्वयं नोएडा के एक अपार्टमेंट में फ्लैट लिया और रिश्तेदार को लखनऊ में बीबीडी कालेज के सामने भूखंड खरीदवाया। उसने लोकगायक दिवाकर द्विवेदी के कौशलपुरी स्थित आवास को करीब ६२ लाख रुपए में खरीद लिया और यहीं अपने परिवार के साथ रहने लगा। वहीं, इसका बहनोई रुदौली के फगौली ठाकुरान निवासी लवकुश मिश्र पहले एक साधारण कार मिस्त्री रहा।

इसी तरह अयोध्याधाम के स्वर्गद्वार मोहल्ले का रहने वाला रामशंकर यादव टिन्नू विश्व हिंदू परिषद में रहने के बाद जब मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ा तो ट्रस्ट महासचिव के साथ उसकी निकटता का उसे काफी लाभ मिला। वह मंदिर की प्रत्येक व्यवस्थाओं में दखल देने लगा। यहां तक कि नकदी की गणना जहां होती थी, वहां भी वह बेधड़क पहुंचता रहा। एसआइटी जांच में उसके पास दानपात्रों की चाबियां मिलने से यह प्रमाणित भी हो गया। इसी कारण उसने चार-पांच महीने पहले अपने भतीजे मनीष यादव को भी न केवल ट्रस्ट का कर्मी बनवा दिया था, बल्कि उसे भी गणना में रखवा दिया।

दोनों के जेल चले जाने के बाद अब इसके परिवार के लोग हैरान व परेशान हैं। हालांकि टिन्नू यादव की पत्नी पूनम यादव तो अभी भी पति को निर्दोष बताते हुए साजिशन फंसाने का आरोप लगाती हैं। वहीं, अविनाश शुक्ल के बारे में भी बताया जाता है कि उसने अयोध्या में ही कहीं प्लाट खरीद लिया है, लेकिन वह नाका पर किराए के कमरे में रहता था।

बिहार में जो कचड़ा भगाने का काम चल रहा है न... वो चलते रहेगा : सीएम सम्राट

मुंगेर (एजेंसी): बिहार में जो कचड़ा भगाने का काम चल रहा है न... वो चलते रहेगा...। मुख्यमंत्री सम्राट ने रविवार को पंचायत विकास दिवस के अवसर पर मुंगेर से अपराधियों के खिलाफ एक बार फिर से बयान देते नजर आए। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अपराधियों के लिए बिहार में कोई जगह नहीं है। जो अपराधी हैं, उन्हें नेपाल जाना पड़ेगा। राज्य से अपराध और अपराधियों का सफाया करने का अभियान लगातार जारी रहेगा।

इस दौरान सीएम सम्राट ने जीविका दीदियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार लगभग १ करोड़ ८१ लाख महिलाओं को जीविका समूह से जोड़ने का काम किया है, उन्हें रोजगार देने का काम किया है। राज्य में चल रही मुख्यमंत्री योजनाओं के तहत उन्हें आर्थिक सहायता की दूसरी किस्त जल्द ही जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने मुंगेर जिले के टेटिया बंबर में पंचायत विकास योजना का शुभारंभ किया। उसके बाद उन्होंने पंचायतों को मजबूती देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब तक पंचायत का विकास नहीं होगा तब तक विकसित बिहार और भारत का सपना पूरा नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह योजना गांवों के विकास को नई दिशा देगी। साथ ही स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का काम करेगी। इस दौरान मौके पर प्रभारी मंत्री संजय पासवान, सांसद अरुण भारती, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, डीजीपी विनय कुमार, पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

खान सर के गार्ड ने अवैध हथियार से चलाई थी गोली

पटना,(ईएमएस): पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (३४), निवासी कासगंज (यूपी) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है। बिना अनुमति के हथियार लेकर बिहार में काम करना कानून के दायरे में जांच का विषय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खान सर ने तालेबर सिंह को बॉडी गार्ड के तौर पर हायर किया, उन्होंने भी कभी इसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया।

एक जुलाई से लागू होगी वीबी जीरामजी योजना झारखंड में मनरेगा की 11.38 लाख अधूरी योजनाएं

देवघर(ईएमएस): एक जुलाई से देशभर में मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी योजना लागू होने जा रही है। वीबी जीरामजी के युक्तधारा पोर्टल में झारखंड में मनरेगा तहत संचालित कई योजनाएं शामिल नहीं की जायेंगी। झारखंड में संचालित अबुआ आवास योजना, दीदी बाड़ी योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा जैसी योजनाओं के लिए वीबी जी रामजी के युक्तधारा पोर्टल में इंट्री के लिए अलग से कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है।ऐसी परिस्थिति में अब अबुआ आवास योजना, दीदी बाड़ी योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा जैसी योजना में वीबी जीरामजी से फंड नहीं मिल पायेगा।अब इन योजनाओं का संचालन पुराने नाम और स्वरूप में आगे नहीं हो सकेगा। इन योजनाओं में अबुआ आवास में मजदूरी मद की राशि मनरेगा से कन्वरजेंस के तहत भुगतान किया जा रहा है।मनरेगा के पोर्टल के अनुसार, एक जुलाई से वीबी जी राम जी में ग्राम सभा के अनुसार नयी योजनाओं की इंट्री होगी।इस स्थिति में झारखंड के २४ जिलों में कुल ११.३८ मनरेगा की योजनाएं अधूरी है। इसमें बिरसा संवर्धन सिंचाई कूप, पशुशेड, डोभा सहित अन्य मनरेगा की अधूरी योजना है।मनरेगा आयुक्त के स्तर से पहले ही संबंधित अधिकारियों को इन लंबित योजनाओं को बंद करने का निर्देश दिया गया था, बावजूद इसके २५ जून तक बड़ी संख्या में योजनाएं बंद नहीं हो सकी हैं।ऐसे में एक जुलाई से नयी व्यवस्था लागू होने के बाद इन अधूरी योजनाओं के भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।वीबी जी रामजी योजना के पोर्टल में डोभा कार्य के लिए कोई अलग विकल्प नहीं होने से डोभा की इंट्री भी नहीं होगी।वीबीजी रामजी योजना में अबुआ आवास और दीदी बाड़ी योजना को शामिल करने का प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से केंद्र को भेजा गया है।राज्य सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री ने भी भारत सरकार को विशेष अनुरोध पत्र भेजा है। जब प्रधानमंत्री आवास योजना में मजदूरी मद में वीबी जीरामजी से भुगतान हो सकता है, तो अबुआ आवास योजना में भी मजदूरी मद में भुगतान करना चाहिए।मनरेगा की करीब ११ लाख अधूरी योजनाओं में लगभग पांच लाख योजनाएं अबुआ आवास और दीदी बाड़ी की है। शेष करीब छह लाख लंबित योजनाओं को वीबी जीरामजी में शामिल किये जाने में कोई समस्या नहीं है। यह योजना एक जुलाई से वीबी जीरामजी में शामिल हो जायेगी। भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद अबुआ आवास और दीदी बाड़ी योजनाएं भी शामिल कर दी जायेंगी।

सोनाहातू में वज्रपात से फॉरेस्ट गार्ड की मौत,दो अन्य वनकर्मी घायल

रांची (ईएमएस): रविवार दोपहर तेज बारिश और वज्रपात के दौरान सोनाहातू थाना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक हादसे में खूंटी वन प्रमंडल में कार्यरत फॉरेस्ट गार्ड रोशन श्रीवास्तव (३२) की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद दो अन्य वनकर्मी घायल हो गए।वन विभाग की टीम हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी और बचाव के लिए बनाए जा रहे वॉच टावर का निरीक्षण करने पहुंची थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, निरीक्षण के दौरान अचानक मौसम खराब हो गया।तेज बारिश के साथ हुई जोरदार बिजली गिरने की चपेट में रोशन श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए।उनके साथ मौजूद दो अन्य वनकर्मी भी झुलस गए।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सोनाहातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रोशन श्रीवास्तव की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स,रांची रेफर कर दिया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

रांची में इस बार अनूठा आदिवासी महोत्सव, लेजर शो-ड्रोन शो के अलावा बहुत कुछ होगा खास

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार इस साल ९ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर रांची के बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में भव्य आदिवासी महोत्सव का आयोजन करने जा रही है। पिछले साल दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण यह कार्यक्रम नहीं हो पाया था। इस बार इसे दोगुने उत्साह के साथ पूरे तीन दिनों तक मनाया जाएगा।

इस साल के मेले को बेहद आधुनिक और खास अंदाज में पेश किया जाएगा। महोत्सव में आधुनिक तकनीक का तड़का देखने को मिलेगा। मेले के दौरान आसमान में शानदार ड्रोन शो, लेजर शो और लाइट शो का आयोजन होगा। इसके जरिए आदिवासी संस्कृति और उनके गौरवशाली इतिहास को बेहद खूबसूरत तरीके से दिखाया जाएगा। मेले के समापन पर एक भव्य आतिशबाजी भी होगी।

पल भर में उस संस्कृति में डूब जाएंगे आप

इस बार का मेला कोई आम पारंपरिक प्रदर्शनी नहीं होगा, बल्कि इसे पल भर में उस संस्कृति में डूब जाने वाले माहौल के रूप में तैयार किया जा रहा है। इसे ही इमर्सिव कल्चरल इकोसिस्टम कहा जाता है। यहां एक विशेष नॉलेज जोन भी बनेगा। लोग आदिवासी समाज की अनूठी परंपराओं और उनकी जीवनशैली को करीब से समझ सकेंगे।

ट्राइबल बाजार और इकोनॉमिक जोन

मेले का सबसे बड़ा आकर्षण यहां का ट्राइबल बाजार होगा। इसमें आदिवासी समुदाय के लोगों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा हाथ से बनाए गए बेहतरीन हैंडीक्राफ्ट और हैंडलूम के स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए एक विशेष फूड जोन भी बनाया जाएगा।

१० हजार लोगों की जतरा से शुरुआत

महोत्सव की शुरुआत एक पारंपरिक जतरा से होगी। इस भव्य शोभायात्रा में राज्य भर से लगभग १०,००० स्थानीय कलाकारों और लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जो पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ थिरकते नजर आएंगे।

दिशोम गुरु को खास श्रद्धांजलि

इस बार का मेला झारखंड निर्माता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को समर्पित होगा। बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीन्स के माध्यम से उनके जीवन संघर्ष और राज्य निर्माण में उनके योगदान पर केंद्रित कई विशेष कार्यक्रम दिखाए जाएंगे।

खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया जुलाई के दूसरे हफ्ते में रांची आएंगे

रांची(ईएमएस): रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आमंत्रण पर झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए जुलाई के दूसरे हफ्ते में भारत सरकार के केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया रांची आएंगे। झारखंड में खेल संघ और खिलाड़ियों के साथ संवाद करेंगे खेल के क्षेत्र में अपार संभावना और अवसर प्राप्त हो इन सभी बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी ताकि झारखंड के बच्चे प्रदेश और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय ,स्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर सके।श्री सेठ ने बताया रांची आगमन पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडवीया खेल गांव का भी निरीक्षण करेंगे ताकि खेल के क्षेत्र में असीम संभावनाओं को तलाशा जा सके।

खुद गाड़ी चलाकर जोन्हा फॉल पहुंचे मुख्यमंत्री, प्रकृति के बीच बिताए सुकून के पल, ग्रामीणों की भी सुनी समस्याएं

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को रांची से कुछ ही दूरी पर स्थित जोन्हा फॉल का दौरा किया। इस दौरान वे खुद वाहन चलाकर वहां पहुंचे और प्रकृति की खूबसूरती का आनंद लिया।

उन्होंने जोन्हा फॉल की हरी-भरी वादियों में समय बिताया, स्थानीय फलों का स्वाद चखा और आसपास के लोगों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना, ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना और निराकरण का भी आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी व गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन भी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोन्हा फॉल की निर्मल जलधारा, घने जंगल और पहाड़ों का शांत सौंदर्य यह एहसास कराता है कि झारखंड प्रकृति का अनुपम उपहार है।

उन्होंने कहा कि राज्य के हर क्षेत्र की प्राकृतिक छटा अलग पहचान रखती है और यही झारखंड की सबसे बड़ी ताकत है।

प्राकृतिक धरोहरों को स्वच्छ रखना सामूहिक जिम्मेदारी

उन्होंने लोगों से प्राकृतिक धरोहरों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने की अपील करते हुए कहा कि यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने देशभर के पर्यटकों को झारखंड आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि राज्य का हर कोना अपनी प्राकृतिक सुंदरता से उनका स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने अंत में सभी का जोहार के साथ स्वागत किया।

बंद पड़े 20 नंबर खदान में डूबने से 17 वर्षीय किशोर की मौत

साहिबगंज(ईएमएस): मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के २० नंबर बंद पड़े खदान में रविवार को नहाने के दौरान डूबने से एक १७ वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक की पहचान महादेवरण गांव निवासी जगलाल चौधरी के पुत्र सुमन चौधरी (१७ वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुमन चौधरी अपने कुछ दोस्तों के साथ बंद पड़े २० नंबर खदान में नहाने गया था।इसी दौरान वह खदान के गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।तब जाकर घटना जानकारी गांव फोन के माध्यम से दी गयी।जहां सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच कर और काफी मशक्कत के बाद किशोर को पानी से बाहर निकाला गया। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पृष्ठ एक का शेषांश

सरकारी स्कूलों को मिलेंगे---

में ६३, पश्चिमी सिंहभूम में ६१, देवघर में ५९, दुमका में ५४, गोड्डा में ५३, पाकुड़ में ५१, रांची में ३६, खूंटी में १२, लोहरदगा में ११, गुमला में २७, सिमडेगा में २१, लातेहार में ४१, गढ़वा में ३४, पूर्वी सिंहभूम में ३९, सरायकेला-खरसावां में ३४, हजारीबाग में १५, धनबाद में ४२, बोकारो में २४, जामताड़ा में ३९ और रामगढ़ में केवल ४ शिक्षकों की नियुक्ति होगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया अभी जारी रहेगी। विभाग का लक्ष्य सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करना और बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है। नई नियुक्तियों से सरकारी स्कूलों की पढ़ाई व्यवस्था मजबूत होगी और छात्रों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इन नियुक्तियों के अलावा राज्य सरकार ने विभिन्न चरणों में स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों, प्रयोगशाला सहायकों और अन्य शैक्षणिक पदों पर भी नियुक्तियां की हैं। सरकारी स्कूलों में भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के शिक्षक नियुक्त किए जा रहे हैं। इनमें भाषा विषय के १५०, गणित एवं विज्ञान के २५१ और सामाजिक विज्ञान के सबसे ज्यादा ३८७ शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। विषयवार नियुक्ति से स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता बेहतर होगी और छात्रों को सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध हो सकेंगे।

सिक्किम में भारी बारिश---

सकती है, साथ ही सिक्किम और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में सोमवार तक बेहद भारी बारिश की आशंका जताई गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही मंगन के स्थानीय प्रतिनिधि और प्रशासन मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने प्रभावित इलाके और हालात का जायजा लिया। राहत की बात यह है कि अब तक किसी भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। वहीं, लगातार बारिश की वजह से दक्षिण सिक्किम के लिंगी इलाके से भी नुकसान की खबर सामने आई है। हालांकि लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग ने सलाह दी है कि खराब मौसम में बिना जरूरी काम के यात्रा न करें। साथ ही नदी किनारे रहने वाले लोगों को अचानक बाढ़, जलभराव और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए पूरी सावधानी बरतने को कहा है।

2014 के बाद बदला---

लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उप मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी सहित पूरे प्रशासन की प्रशंसा की और उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस अभिनव प्रयोग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस ट्रैकर के माध्यम से जन्म-मृत्यु, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और समाज कल्याण जैसे सभी विभागों के डेटाबेस को एक कंप्यूटर प्रणाली में शामिल कर लिया गया है। यदि कोई बच्चा टीकाकरण से वंचित रह जाएगा या कोई बच्ची स्कूल जाना बंद कर देगी, तो सिस्टम तुरंत अलर्ट देगा। स्थानीय अधिकारियों से लेकर विधायक और सांसद तक का नाम फ्लैश होते ही स्वयंसेवक और प्रशासन बच्चे के घर पहुंचकर उसकी सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे। माता के गर्भ से लेकर १६ वर्ष के बच्चे तक के स्वास्थ्य और पोषण की आईटी के जरिए सटीक ट्रैकिंग होगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री फैमिली कैयर ट्रैकर और बच्चों के हेल्थ पासपोर्ट को प्रत्येक परिवार के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर युक्त स्वास्थ्य रक्षा की एक संवेदनशील और सुगठित व्यवस्था बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना गर्भ से लेकर गौरवपूर्ण युवावस्था तक, बच्चे और माता के जीवन को सुरक्षित, स्वस्थ और स्वास्थ्य समृद्ध बनाने के एक नए युग की शुरुआत है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रधानमंत्री द्वारा स्वस्थ नागरिकों को विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताए जाने का विशेष रूप से उल्लेख किया और कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उपचार-आधारित व्यवस्था से आगे बढ़कर होलिस्टिक हेल्थ केयर का दृष्टिकोण अपनाया है।

भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रिवेंटिव हेल्थ केयर, प्रोमोटिव हेल्थ केयर, अफोर्डेबल हेल्थ केयर और डिजिटल हेल्थ केयर सहित चार मुख्य आधार स्तंभों के जरिए १४० करोड़ देशवासियों के समग्र स्वास्थ्य कल्याण की चिंता की है।

जिन मतदाताओं के नाम---

आते हैं, उन्हें निर्णय होने तक राशन मिलता रहेगा। इस फैसले के बाद प्रभावित परिवारों में नाराजगी बढ़ गई है। कई लोगों का कहना है कि अपील लंबित रहने के दौरान राशन जैसी बुनियादी सुविधा को मतदाता सूची से जोड़ना उचित नहीं है। मामले को लेकर कानूनी और राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड की ---

कॉलेजों में काउंसलिंग, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और सीट आवंटन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में जिन छात्रों का रिजल्ट अभी तक नहीं आया है उन्हें अब चिंता सताने लगी है। काउंसलिंग में शामिल इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों के लिए यह देरी परेशानी बढ़ा रही है। इस मुद्दे पर सीबीएसई का कहना है कि संशोधित परिणामों के साथ नई मार्कशीट डिजिलॉकर पर भी अपलोड की जा रही है और बाकी सभी मामलों का निपटारा जल्द कर दिया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से चल रही है।

शराब घोटाला: पूर्व मंत्री---

तिवारी और उससे जुड़ी कंपनियों की गतिविधियां हैं।बताया जा रहा है कि झारखंड में वर्ष २०२२ की नई उत्पाद नीति लागू होने से पहले योगेंद्र तिवारी से संबंधित कंपनियों के पास शराब के थोक व्यापार का लाइसेंस था।ईडी इस मामले में जांच पूरी कर अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) भी दाखिल कर चुकी है। अब पूर्व मंत्री और उनके बेटे से पूछताछ के बाद जांच में नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।फिलहाल ईडी पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

मंत्रालयों में बड़े----

सिख चेहरे या पंजाब के किसी कद्दावर नेता को शामिल किया जा सकता है। इस रेस में सबसे चौंकाने वाला नाम राघव चड्ढा का चल रहा है, जिन्हें मंत्री बनाया जा सकता है।

बमों की बारिश के---

ब्रिज को नुकसान पहुंचा, लेकिन चालक दल सुरक्षित रहा और तेल रिसाव जैसी कोई घटना नहीं हुई। इस हमले के बाद संयुक्त समुद्री सूचना केंद्र ने पूरे क्षेत्र में खतरे का स्तर बढ़ाकर 'सब्स्टैंशियल' (पर्याप्त) कर दिया था, जिससे वहां से गुजरने वाले सभी जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

शिपिंग महानिदेशालय के अनुसार, फारस की खाड़ी में होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में १५ भारतीय हितों वाले जहाज अब भी फंसे हुए हैं। इनमें एक ऊर्जा कार्गो जहाज, चार उर्वरक ले जाने वाले जहाज और १० अन्य मालवाहक जहाज शामिल हैं। भारत सरकार इन सभी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित निकालने की तैयारी में है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक भारत आने वाले ४४ जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं। इनमें १७ भारतीय झंडे वाले और २७ विदेशी झंडे वाले जहाज शामिल हैं, जो कच्चे तेल के टैंकर, एलपीजी और एलएनजी कैरियर, बल्क कैरियर, कंटेनर जहाज और अन्य मालवाहक पोत हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन ने शुक्रवार को चेतावनी दी थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य में करीब ८० समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई गई हो सकती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के तहत इन्हें हटाने की जिम्मेदारी ईरान की है, लेकिन अभी तक यह साफ नहीं है कि कितनी माइंस हटाई जा चुकी हैं। यह स्थिति इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले सभी जहाजों के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है। ऐसे में एपीजे प्रीती २ का सुरक्षित मार्ग पार करना भारत के लिए न केवल आर्थिक बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक बड़ी राहत है, जो दिखाता है कि भारत संकटग्रस्त समुद्री मार्गों से भी अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है।

रांची में रथयात्रा की तैयारियां तेज ओडिशा के कारीगर बना रहे भव्य रथ

रांची (एजेंसी): धुर्वा क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में इस साल होने वाली रथ यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के लिए एक बेहद खूबसूरत और बड़ा रथ तैयार किया जा रहा है। इस रथ को खास रूप देने के लिए ओडिशा से कारीगर बुलाए गए हैं, जो रात-दिन काम पूरा करने में लगे हैं। धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत २९ जून को देव स्नान के साथ होगी। इस दिन परंपरा के मुताबिक भगवान को खास स्नान कराया जाता है। इसके बाद अगले १५ दिनों तक भगवान एकांत में चले जाएंगे, जिसे अनासर काल कहा जाता है। मान्यता है कि स्नान के बाद भगवान बीमार हो जाते हैं, इसलिए इस दौरान भक्त उनके दर्शन नहीं कर सकेंगे।

इसके बाद १५ जुलाई को नेत्रोत्सव का त्योहार मनेगा। ठीक उसके अगले दिन १६ जुलाई को मुख्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ रथ पर बैठकर मौसीबाड़ी के लिए रवाना होंगे। इसी के साथ रांची का प्रसिद्ध १० दिनों का रथ मेला भी शुरू हो जाएगा। मेले के आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। २९ जून से मेले की दुकानों और व्यवस्था के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस बार टेंडर की बेस प्राइस १ करोड़ ५ लाख रुपये तय की गई है। पिछले वर्षों की बात करें तो २०२३ में यह टेंडर ७५ लाख रुपये में छूटा था, जबकि २०२४ में यह रकम बढ़कर १.९२ करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। साल २०२५ में आपसी सहमति से ५१ लाख रुपये में टेंडर फाइनल हुआ था। धुर्वा का यह मेला झारखंड के सबसे बड़े आयोजनों में से एक है। इसमें झारखंड के अलावा बंगाल और ओडिशा से भी बड़े-बड़े कारोबारी दुकानें लगाने आते हैं। मेले में खास मिठाइयां, हस्तशिल्प, पारंपरिक तीर-धनुष, मांदर, खेती के सामान और बच्चों के झूले मुख्य आकर्षण होते हैं।

यह ऐतिहासिक मंदिर करीब २५० फीट ऊंची पहाड़ी पर बना है। इसका निर्माण साल १६९१ में नागवंशी राजाओं द्वारा कराया गया था, जिसका १९९१ में दोबारा मरम्मत और जीर्णोद्धार किया गया। पुरी की तरह ही रांची की रथ यात्रा भी देश भर में अपनी खास पहचान रखती है। मेले को सुरक्षित और सुंदर बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सुरक्षा, पीने के पानी, साफ-सफाई और ट्रैफिक के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह साफ-सुथरी होगी ताकि श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो।

घायल पंप हाउस कर्मी को उपलब्ध कराई जा रही सभी आवश्यक चिकित्सीय सहायता

धनबाद (कासं): बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा केबल चोरी की घटना में घायल पंप ऑपरेटर श्री उमेश रविदास की निरंतर चिकित्सीय निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में कल (२७ जून) को सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ केंद्रीय अस्पताल (सीएचडी) पहुँचे। उन्होंने घायल कर्मी से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा चिकित्सकों से स्वास्थ्य स्थिति पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

सीएमडी श्री अग्रवाल ने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायल कर्मी के उपचार एवं देखभाल में किसी स्तर पर कोई कमी न रहे। उन्होंने श्री रविदास को आश्वस्त किया कि प्रबंधन इस कठिन समय में उनके और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीसीएल के लिए अपने कार्मिकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सर्वोपरि है। वर्तमान में डॉक्टरों की सलाह पर श्री रविदास को बेहतर चिकित्सा सुविधा हेतु दुर्गापुर रेफर किया गया है, जहाँ उनके उपचार की सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा सुनिश्चित की जा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार देर रात (लगभग १:३० बजे) गोविंदपुर क्षेत्र-खखख अंतर्गत एबीजी कोलियरी के पंप हाउस में अज्ञात अपराधियों ने केबल लूटने का प्रयास किया। ड्यूटी पर तैनात पंप ऑपरेटर श्री उमेश रविदास द्वारा इसका विरोध किए जाने पर अपराधियों ने उन्हें गोली मारकर घायल कर दिया। घटना के तुरंत बाद उन्हें प्राथमिक उपचार हेतु बीसीसीएल केंद्रीय अस्पताल लाया गया।

सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में प्रबंधन ने बताया कि सोनारडीह ओपी में प्राथमिकी दर्ज कर स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा रहा है। साथ ही, कार्यस्थलों पर सशस्त्र बलों की तैनाती बढ़ाने तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन से टल जाते हैं संकट

हनुमान जी अपने नाम के अनुरुप ही भक्तों के संकटों को दूर करते हैं। आस्था और सच्ची भक्ति के आगे स्वयं भगवान भी नतमस्तक हो जाते हैं और अपने प्रिय भक्त को संसार का हर सुख देने को आतुर रहते हैं। महाबली हनुमान की भक्ति भी ऐसी ही है। तभी तो प्रभु श्री राम ने उन्हें भक्त शिरोमणि बना दिया।

पवन पुत्र हनुमान की लीलाएं बालपन से ही शुरू हो गई थीं, इसलिए कई जगहों पर इन्हें बालाजी के नाम से पूजा जाता है। मेहंदीपुर में भी महाबली हनुमान अपने बाल स्वरूप में विराजमान है।

मान्यता है कि मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन करते ही इंसान के सभी प्रकार के संकट टलने लगते हैं। जो भी मेहंदीपुर धाम जाता है अपने सभी दुख, अपनी सारी विपत्तियां वहीं श्री बालाजी के चरणों में छोड़ आता है।

मेहंदीपुर में बालाजी की सत्ता चलती है। यहां आकर जिसने श्री बालाजी का आशीर्वाद पा लिया उसके मन की हर कामना का भार स्वयं बालाजी महाराज उठाते हैं। तभी तो जो भक्त एक बार मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर लेता है वो बार-बार मेहंदीपुर जाने को आतुर रहता है।

मेहंदीपुर बालाजी धाम में हनुमान जी के बाल रूप का अति मनमोहक और अलौकिक दर्शन होता है। यहां श्री बाला जी महाराज के भवन के ठीक सामने सीताराम का दरबार सजता है, जिसे देखकर लगता है कि जैसे बाला जी महाराज अपने प्रभु के निरंतर दर्शन से प्रसन्न हो रहे हैं और मां सीता के साथ ही प्रभु श्रीराम भी अपने सबसे प्रिय भक्त को देखकर मुस्कुरा रहे हैं।

मेहंदीपुर में केवल बालाजी के दर्शन नहीं होते। इनके साथ श्री भैरव बाबा और श्री प्रेतराज सरकार के भी साक्षात दर्शन होते हैं। इसीलिए कुछ भक्त इन्हें त्रिदेवों का धाम भी कहते हैं।

मेहंदीपुर बालाजी के दरबार में जो भी इंसान सच्चे मन और भक्ति भाव से अर्जी लगाता है उसकी सुनवाई जरूर होती है। श्री बालाजी उस भक्त की हर मनोकामना पूरी कर देते हैं। कहते हैं मेहंदीपुर धाम कोई भी भक्त उदास नहीं लौटता। मेहंदीपुर में हर प्रकार की समस्या का समाधान मिल जाता है।

क्या है मंदिर में दर्शन की प्रक्रिया?

ऐसा बिल्कुल नहीं है कि जो लोग ऊपरी बाधा (भूत-प्रेत वगैरह) से पीड़ित होते हैं, केवल वही बालाजी मंदिर जाते हैं। सामान्य तौर पर भी भारी संख्या में लोग यहां दर्शन के लिए जाते हैं और मान्यता है कि इस मंदिर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता, बाबा सबकी मनोकामना पूरी करते हैं। मंदिर में दर्शन करने के लिए सुबह 4 बजे से ही लाइन लगनी शुरू हो जाती है। यहां प्रसाद 2 तरह से चढ़ाया जाता है, जिसे दरख्वास्त और अर्जी कहते हैं।

मान्यता है कि दरख्वास्त मंदिर में सुरक्षित आने और जाने के लिए लगाते हैं और अर्जी किसी विशेष मनोकामना (जैसे- नौकरी या बिजनेस, परीक्षा में सफलता, रोग दूर करने के लिए, परिवार में सुख शांति के लिए, विवाह के लिए, संतान प्राप्ति के लिए या भूत-प्रेत बाधा मुक्ति) के लिए लगाते हैं। वहीं सवामणि एक विशेष प्रकार का प्रसाद होता है, जिसे भक्त अपनी मनोकामना के पूरे होने के बाद बालाजी में चढ़ाते हैं।

अर्जी और दरख्वास्त के प्रसाद के डिब्बों में क्या होता है?

बालाजी के मंदिर में मुख्य रूप से 3 देव हैं, जिसमें बालाजी, भैरव और प्रेतराज सरकार स्थापित हैं। मंदिर में इन्हीं की पूजा होती है। पहले इन देवों को प्रसाद चढ़ाने की प्रक्रिया अलग थी। दरख्वास्त में एक छोटे से दोने मे कुछ लड्डू, बताशे व घी होते थे और अर्जी में लड्डू, उड़द और चावल होते थे।

मान्यता के मुताबिक, बालाजी को लड्डू, भैरव को उड़द और प्रेतराज सरकार को चावल चढ़ते थे। लेकिन अब नई प्रक्रिया के तहत इसे बंद कर दिया गया है। अब दरख्वास्त और अर्जी दोनों ही तरह के प्रसाद के डिब्बों में बेसन के लड्डू होते हैं। दरख्वास्त के डिब्बे में कम लड्डू होते हैं और अर्जी के डिब्बे में ज्यादा मात्रा में लड्डू होते हैं।

कैसे कटते हैं भूत-प्रेत वाले संकट?

मान्यता है कि संकटग्रस्त व्यक्ति (भूत-प्रेत बाधा से पीड़ित) बालाजी के दरबार में अर्जी के लगाने के बाद जैसे ही 2 लड्डू खाता है और फिर उन्हें अपने सिर से 7 बार उतारकर किसी मांगने वाले को दे देता है या जानवर को खिला देता है तो उसके अंदर मौजूद निगेटिव एनर्जी को बहुत पीड़ा होती है। ऐसे व्यक्ति को जैसे ही सुबह और शाम को होने वाली बालाजी की आरती में ले जाया जाता है तो उसके अंदर का संकट उभरकर सामने आ जाता है और वह अजीब हरकतें करने लगता है।

इसे स्थानीय भाषा में कहते हैं कि पीड़ित व्यक्ति के अंदर का भूत-प्रेत कराहने लगता है और जैसे ही बालाजी क ी आरती खत्म होती है तो बालाजी के अंदर से निकलने वाले पवित्र जल की छींटे इस पीड़ित के ऊपर डाली जाती हैं। पवित्र जल के पड़ने से पीड़ित व्यक्ति को अपने संकट से मुक्ति मिल जाती है।

मान्यता है कि हर व्यक्ति को यहां बालाजी की सुबह-शाम को होने वाली आरती में जरूर शामिल होना चाहिए और आरती के बाद पवित्र जल के छींटे लेने चाहिए। वैसे ये पवित्र जल हर रोज सुबह एक घंटे श्रद्धालुओं को बांटा जाता है, जिसके लिए लंबी लाइनें लगती हैं। जल को स्टोर करने के लिए मंदिर के सामने ही डिब्बे मिलते हैं। अगर आप किसी बाधा से पीड़ित नहीं हैं, फिर भी इस जल को लेने से आपके जीवन की हर परेशानी का अंत होगा, ऐसा कहा जाता है।

किन बातों का ध्यान रखें?

मान्यता है कि अर्जी लगाने के बाद व्यक्ति को पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए और सीधा चलते रहना चाहिए। बालाजी के मंदिर में आने से 10 दिन पहले मांस, अंडा, शराब, प्याज, लहसन का सेवन बंद कर देना चाहिए और मंदिर से लौटने के बाद 41 दिन तक इन चीजों का परहेज करना चाहिए। मान्यता ये भी है कि संकट कटवाने वाले व्यक्ति को बालाजी से लौटने के बाद 41 दिनों तक सफेद चीजें (दूध, दही, चावल, सफेद मिठाई) नहीं खानी चाहिए। इसके अलावा जमीन पर सोना चाहिए और ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। कहा ये भी जाता है कि 41 दिनों तक ना ही किसी के घर जाना चाहिए और ना ही किसी के घर का खाना चाहिए।

रात में बार-बार खुल जाती है नींद? शरीर दे रहा इस बीमारी का संकेत

रात की अच्छी और गहरी नींद शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बेहद जरूरी मानी जाती है। लेकिन अगर आपकी नींद रात में बार-बार खुल जाती है और दोबारा सोने में दिक्कत होती है, तो इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक, बार-बार नींद टूटना कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं का संकेत हो सकता है। लंबे समय तक यह परेशानी बनी रहे, तो इसका असर न सिर्फ आपकी ऊर्जा पर पड़ता है, बल्कि समग्र स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रात में एक बार जागना कई लोगों के लिए सामान्य हो सकता है। हालांकि, अगर आपकी आंख बार-बार खुल रही है, नींद पूरी नहीं हो रही या सुबह उठने पर थकान महसूस होती है, तो इसके पीछे कोई स्वास्थ्य समस्या छिपी हो सकती है।

स्लीप एपनिया : नींद का बड़ा दुश्मन

रात में बार-बार नींद खुलने की एक बड़ी वजह स्लीप एपनिया हो सकती है। इस स्थिति में सोते समय व्यक्ति की सांस कुछ सेकंड के लिए रुक जाती है या धीमी हो जाती है, जिससे मस्तिष्क शरीर को जगाने का संकेत देता है। इस समस्या से जूझ रहे कई लोगों को यह एहसास भी नहीं होता कि उनकी नींद लगातार बाधित हो रही है। इसके कुछ सामान्य लक्षण हैं

तेज खर्राटे आना

सुबह सिरदर्द होना
दिनभर थकान महसूस होना
ध्यान केंद्रित करने में परेशानी

अगर ये लक्षण दिखाई दें तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो सकता है।

तनाव और चिंता भी तोड़ सकती है नींद

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और डिप्रेशन आम समस्याएं बन गई हैं। मानसिक तनाव का सीधा असर नींद पर पड़ता है। अनिद्रा यानी इंसोम्निया से जूझ रहे लोग अक्सर रात में कई बार जाग जाते हैं और दोबारा सो नहीं पाते। लगातार ऐसा होने पर दिनभर चिड़चिड़ापन, थकान और काम में मन न लगने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

रात में बार-बार पेशाब आना भी हो सकता है कारण

अगर आपकी नींद बार-बार पेशाब के लिए उठने से टूटती है, तो इसके पीछे कई स्वास्थ्य कारण हो सकते हैं। इनमें शामिल हैं

कुछ दवाओं का प्रभाव

ऐसे मामलों में केवल नींद की दिक्कत का इलाज नहीं, बल्कि मूल कारण की पहचान और उपचार जरूरी होता है।

कमरे का तापमान भी करता है असर

नींद की गुणवत्ता आपके कमरे के माहौल पर भी निर्भर करती है। यदि कमरा बहुत गर्म हो या रात में ज्यादा पसीना आए, तो नींद बार-बार खुल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार अच्छी नींद के लिए कमरा ठंडा, शांत और हल्का अंधेरा होना चाहिए। ऐसा वातावरण शरीर को आराम देता है और गहरी नींद में मदद करता है।

सोने से पहले स्क्रीन का इस्तेमाल पड़ सकता है भारी - आजकल सोने से पहले मोबाइल या लैपटॉप इस्तेमाल करना आम आदत बन गई है। लेकिन स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी शरीर की प्राकृतिक सर्कैडियन रिदम को प्रभावित कर सकती है। इससे नींद आने में देर लग सकती है और रात में बार-बार जागने की समस्या भी बढ़ सकती है। बेहतर नींद के लिए विशेषज्ञ सोने से कम से कम 30 मिनट पहले स्क्रीन से दूरी बनाने की सलाह देते हैं।

कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए

यदि आपको लगातार इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें

रात में बार-बार नींद खुलना
सुबह उठने पर थकान महसूस होना
तेज खर्राटे आना
सांस रुकने जैसा महसूस होना
दिनभर नींद या सुस्ती रहना

समय रहते कारण की पहचान और इलाज न केवल आपकी नींद को बेहतर बना सकता है, बल्कि कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचाव कर सकता है।

अच्छी नींद ही बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी - अच्छी नींद केवल आराम नहीं, बल्कि शरीर और दिमाग दोनों के लिए जरूरी है। अगर आपकी नींद बार-बार टूट रही है, तो इसे शरीर का एक संकेत समझें और समय रहते कारण जानने की कोशिश करें। छोटी-सी लापरवाही आगे चलकर बड़ी परेशानी में बदल सकती है।

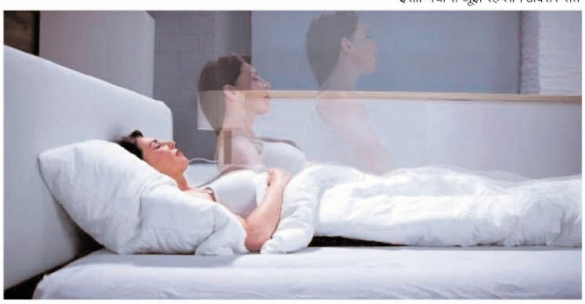

रविवार को सूर्यदेव को प्रसन्न करने के उपाय अराधना से होता है लाभ

हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को बहुत ही अहम हिस्सा और केंद्र बिंदु माना है। ज्योतिष शास्त्र में जहां सूर्यदेव को सभी ग्रहों का राजा माना गया है वहीं धार्मिक नजरिए से सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं। हिंदू धर्म में सूर्यदेव के लिए रविवार का दिन समर्पित है और इस दिन भगवान सूर्य की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। सूर्य ऊर्जा, सफलता और सकारात्मकता के एक बहुत ही खास केंद्र बिंदु हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में होते हैं उनके जीवन में मान-सम्मान और यश की कमी रहती है। वहीं अगर कुंडली में सूर्य मजबूत स्थिति में हैं तो जातक के जीवन में परेशानियां बहुत ही कम आती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। रविवार के दिन सूर्यदेव की कृपा पाने के लिए कई तरह के उपाय, दान-पुण्य और पूजा-पाठ किया जाता है। आइए जानते हैं रविवार के दिन सूर्य उपासना के लिए कौन-कौन सा कार्य करना शुभ माना जाता है।

रविवार का दिन सूर्य देव का दिन माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य ग्रह आत्मा, आत्मविश्वास, स्वास्थ्य, पिता, सरकारी कार्य, नेतृत्व क्षमता और यश का कारक है। मान्यता है कि रविवार के दिन कुछ विशेष कार्य करने से सूर्य की कृपा प्राप्त होती है और जीवन की कई बाधाएं दूर होने लगती हैं। आइए जानते हैं

रविवार के दिन दान का महत्व

सूर्य उपासना के लिए रविवार का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन कई चीजों का दान करना विशेष फलदायी साबित होता है। रविवार के दिन विशेष रूप से सूर्य से संबंधित चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल वस्त्र, गेहूं, गुड़, माणिक्य, लाल चंदन आदि का दान करें। अपनी श्रद्धानुसार इन चीजों में से किसी भी चीज का दान किया जा सकता है। इससे कुंडली में सूर्य दोष दूर हो जाते हैंऔर धन, ऐश्वर्य और मान-सम्मान की प्राप्ति होती है।

सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देना होता है शुभ

रविवार की सुबह सूर्योदय के समय तांबे के लोटे में जल भरकर सूर्य को अर्घ्य देना अत्यंत शुभ माना जाता है। जल में लाल चंदन या लाल फूल मिलाकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके अर्घ्य देने से सूर्य प्रसन्न होते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और सरकारी या प्रशासनिक कार्यों में सफलता मिलने लगती है। नियमित रूप से यह कार्य करने से यश और प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ

रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना विशेष फलदायी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह स्तोत्र सूर्य की उपासना का सर्वोत्तम माध्यम है। इसके नियमित पाठ से आत्मबल बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है और जीवन की बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं।

लाल वस्तुओं का दान करें

रविवार के दिन लाल रंग से जुड़ी वस्तुओं का दान करना सूर्य को मजबूत करने का प्रभावी उपाय माना जाता है। लाल कपड़ा, गुड़, गेहूं या तांबे से जुड़ी वस्तुओं का दान करने से सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। मान्यता है कि इससे पिता का स्वास्थ्य बेहतर रहता है और करियर में स्थिरता आती है। समाज में सम्मान भी बढ़ता है।

अर्घ्य देने का महत्व

वैसे तो सूर्यदेव को हर एक दिन सुबह जल अर्पित करने का महत्व होता है, लेकिन रविवार के दिन सूर्य देव की उपासना और जल अर्पित करने से विशेष लाभ होता है। रविवार के दिन प्रात:काल नहाकर उगते हुए सूर्य को जल देने के लिए तांबे के लोटे में जल, लाल चन्दन, चावल, लाल फूल और कुश डालकर प्रसन्न मन से सूर्य की ओर मुख करके कलश को छाती के बीचों-बीच लाकर सूर्य मंत्र का जप करते हुए जल की धारा धीरे-धीरे प्रवाहित कर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर लाल पुष्प अर्पित करने चाहिए।

रविवार के आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ

सूर्य देव की उपासना में आदित्य हृदय स्तोत्र का विशेष महत्व होता है। रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ जीवन के अनेक कष्टों का एकमात्र निवारण है। इसके नियमित पाठ से मानसिक कष्ट, हृदय रोग, तनाव, शत्रु कष्ट और असफलताओं पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

व्रत रखने का महत्व

सूर्यदेव की उपासना में रविवार के दिन व्रत रखने का विशेष महत्व होता है। बढ़िया स्वास्थ्य, मान-सम्मान, धन-संपदा के लिए रविवार के दिन व्रत रखना और कथा सुनने से हर एक मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। रविवार के दिन सूर्य का व्रत करने से काया निरोगी रहती है, साथ ही अशुभ फल भी शुभ फल में बदल जाते है। अगर इस दिन व्रत कथा सुनी जाए तो इससे मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी में नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विशेषज्ञों की दुनिया भर में ज़रूरत

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की जरूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की जरूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए जरूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे है, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

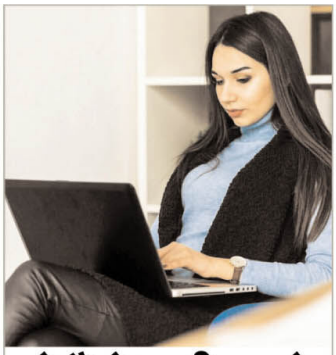

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते है देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंटस को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती है। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की जरूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के जहन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते है, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

संक्षिप्त समाचार

स्वागत है, लेकिन अच्छे से रहना!' स्लोगन के साथ ट्रंप ने दिखाया नए अमेरिकी पासपोर्ट का डिजाइन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर जारी किए जाने वाले एक विशेष स्मारक (कॉमेमोरेटिव) अमेरिकी पासपोर्ट का नया डिजाइन जारी किया है। इस सीमित संस्करण (लिमिटेड एडिशन) के पासपोर्ट में ट्रंप की तस्वीर भी शामिल की गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इसका नमूना साझा करते हुए लिखा, 'अमेरिका के नए पासपोर्ट में लिखा है- स्वागत है, लेकिन अच्छा व्यवहार करें'। जारी किए गए डिजाइन में पासपोर्ट के एक पन्ने पर राष्ट्रपति ट्रंप की तस्वीर दिखाई गई है। तस्वीर के पीछे अमेरिका की ऐतिहासिक स्वतंत्रता घोषणा का पाठ दिया गया है और नीचे ट्रंप के हस्ताक्षर भी उभरे हुए हैं। सामने वाले पन्ने पर प्रसिद्ध चित्रकार जॉन ट्रंबुल की मशहूर पेंटिंग 'द डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस' छपी है।

बताया गया है कि ट्रंप की यह तस्वीर स्मिथसोनियन नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में लगी उनकी आधिकारिक तस्वीर से प्रेरित है। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने इस साल जो प्रारंभिक डिजाइन जारी किया था, उसमें ट्रंप की अलग तस्वीर इस्तेमाल की गई थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी यही डिजाइन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, 'अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नया अमेरिकी पासपोर्ट'। इस विशेष पासपोर्ट की घोषणा पहली बार अप्रैल में अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के राष्ट्रीय समारोहों के तहत की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इस पासपोर्ट में आगे, पीछे और अंदर के कवर पर विशेष कलाकृतियां और बेहतर गुणवत्ता वाली तस्वीरें दी गई हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह सीमित संस्करण सबसे पहले वॉशिंगटन पासपोर्ट एजेंसी से पासपोर्ट का नवीनीकरण (रिन्यूअल) कराने वाले लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, ऑनलाइन आवेदन करने वाले या अन्य पासपोर्ट केंद्रों से आवेदन करने वालों को फिलहाल मौजूदा डिजाइन वाला पासपोर्ट ही मिलेगा।

अमेरिका में प्रकृति का कहर: यूटा के जंगल में भीषण आग, केंटकी में भारी बारिश बाढ़ से चार की मौत

वॉशिंगटन/फ्रैंकफर्ट, एजेंसी। अमेरिका इस समय दोहरी प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। यूटा में देश की सबसे बड़ी जंगल की आग तेजी से फैल रही है, जबकि केंटकी में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। दोनों राज्यों में आपातकालीन हालात हैं, राहत एवं बचाव अभियान जारी है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

यूटा राज्य में लगी कॉटनवुड जंगल की आग तेजी से फैल रही है। यह इस समय अमेरिका की सबसे बड़ी सक्रिय जंगल की आग बन गई है। आग ने अब तक करीब 373 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। कई पहाड़ी इलाकों, जंगलों और स्की रिजॉर्ट को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन ने कई कैंपग्राउंड और सार्वजनिक क्षेत्रों को बंद कर दिया है, जबकि आसपास के लोगों को किसी भी समय सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। वहीं, यूटा के गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने राज्य में आपातकाल घोषित कर दिया है। उन्होंने दमकलकर्मियों की सुरक्षा और बारिश की कामना करते हुए कहा कि आग लगातार संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रही है। आग बुझाने के लिए सैकड़ों दमकलकर्मी, हेलीकॉप्टर और एयर टैंकर लगाए गए हैं। हालांकि तेज हवाएं, कम नमी और अत्यधिक गर्म मौसम राहत कार्य में बड़ी बाधा बन रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार यूटा में इस साल रिकॉर्ड कम बर्फबारी और सबसे गर्म सर्दी रही, जिससे जंगलों में सूखापन बढ़ गया और आग लगने का खतरा कई गुना बढ़ गया। राज्य सरकार ने आतिशबाजी पर भी रोक लगा दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष अधिकांश जंगल की आग इंसानी लापरवाही के कारण लगी हैं, जबकि कुछ स्थानों पर बिजली गिरने से भी आग फैली है। इस बीच यूटा के अन्य हिस्सों में आयरन और चेरी नाम की दो अन्य जंगल की आग भी तेजी से फैल रही हैं। इनके कारण कई छोटे कस्बों को खाली कराया गया है । और कई राजमार्ग बंद कर दिए गए हैं।

लापता बलूचों की आवाज उठाने वाली बलूचिस्तान की शेरनी को उम्रकैद

महरंग बलोच के साथ पाक में क्यों हो रहा ऐसा सलूक

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में लापता पुरुषों के लिए लड़ने वाली महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस महिला का नाम है डॉ. महरंग बलोच। जब वह युवा थीं तो उन्होंने पाकिस्तान में सैकड़ों परिवारों के साथ मिलकर अपने पिता की तलाश शुरू की थी।

सालों बाद ये महिला डॉक्टर से एक एक्टिविस्ट बन गई और इस आंदोलन की सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक बन गई। इस आंदोलन का मकसद उन लापता पुरुषों की तलाश करना था जो जबरदस्ती गायब हो गए थे। अब इस महरंग को जेल की सजा का सामना करना पड़ रहा है।

महरंग को सुनाई गई उम्रकैद की सजा: पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने सोमवार को महरंग और उनके साथी एक्टिविस्ट सिबगतुल्लाह शाह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन्हें 2024 में ग्वादर शहर में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पैरामिलिट्री सैनिक की मौत के मामले में आतंकवाद, देशद्रोह और हत्या का दोषी ठहराया गया।

हालांकि, महरंग ने इन आरोपों से इनकार किया है और उम्मीद है कि वो ऊपरी अदालत में अपील करेंगीं। इस मामले को लेकर महरंग का परिवार डटा हुआ है और उनका कहना है कि इस फैसले को ऊपरी अदालतों में चुनौती दी जाएगी।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जेल में बंद महरंग की बहन नादिया बलोच का कहना है, मुझे उनसे मिलने की हिम्मत नहीं है। क्योंकि उन्हें न्याय न दिलाकर मैं अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रही।

गायब पुरुषों की तलाश महरंग के लिए बन गया निजी मसला: 33 साल की महरंग के लिए जबरदस्ती गायब हुए पुरुषों का मुद्दा सिर्फ राजनीतिक नहीं है। यह बहुत ही निजी मामला है। उनके पिता अब्दुल गफ्फार लैंगोव एक राजनीतिक कार्यकर्ता थे और 2009 में गायब हो गए। उस समय महरंग 16 साल की थीं। उनके पिता की मौत के मामले ने उनकी जिंदगी पर गरा असर डाला।

लगभग तीन साल बाद महरंग के परिवार को एक फोन कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनका शव प्रांत के दक्षिण में स्थित लासबेला जिले में मिला है। उन्होंने 2025 में अपनी गिरफ्तारी से पहले बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, जब मेरे पिता का शव आया तो उन्होंने वही कपड़े पहने हुए थे जो अब फट चुके थे। उन्हें बुरी तरह प्रताड़ित किया गया था।

इसके बाद के सालों में महरंग बलूचिस्तान में लापता लोगों के बारे में जानकारी की मांग करने वाले अभियानों में शामिल हो गईं। कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि पिछले दो दशकों में हजारों बलूच लोग लापता हो गए हैं। उनका आरोप है कि सुरक्षा बलों ने कई लोगों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया या अलगाववादी विद्रोह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों के तहत उनका अपहरण किया, उन्हें प्रताड़ित किया और उनकी हत्या कर दी।

पाकिस्तान सरकार आरोपों से करती रही इनकार: पाकिस्तान सरकार इन आरोपों से इनकार करती है और कहती है कि लापता लोगों में से कई अलगाववादी गुटों में शामिल हो गए हैं या देश छोड़कर भाग गए हैं। कुछ लोग सालों बाद सदमे और टूटे हुए मन के साथ लौटते हैं तो कई कभी वापस नहीं आते। कुछ लोगों के शव बलूचिस्तान में बनी बिना पहचान वाली कब्रों में मिलते हैं। उनके शव इतने बुरी तरह बिगड़े होते हैं कि उनकी पहचान करना भी मुश्किल होता है।

पिछले साल नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट हुईं महरंग पिछले एक दशक में इस आंदोलन की सबसे प्रमुख नेताओं में से एक बन गई हैं। उन्हें बलूचिस्तान की शेरनी भी कहा जाता है।

पाकिस्तान ने बलूचिस्तान से किया सौतेला व्यवहार: बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और ये देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44% हिस्सा है। यहां की जमीन गैस, कोयला, तांबा और सोने जैसे संसाधनों से समृद्ध है लेकिन ये इलाका तरक्की से दूर रहा है। सुरक्षा कारणों से प्रांत के कई हिस्सों में जाने पर रोक है। यहां बुनियादी ढांचा खराब है, बिजली कभी-कभी आती है और पानी की कमी है।

जब भारत का बंटवारा हुआ तो बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा बन गया। हालांकि कुछ प्रभावशाली कबीलाई नेता एक स्वतंत्र राज्य चाहते थे और वो इसे पाकिस्तान का हिस्सा मानने से इनकार करते रहे।

बता दें कि पाकिस्तान, अमेरिका और कई अन्य देशों द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किए गए बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे उग्रवादी समूहों ने हाल के वर्षों में अपने हमले तेज कर दिए हैं। सुरक्षा बलों पर बमबारी, हत्या और घात लगाकर हमले करने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

गायब हुए लोगों की कहानी: बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, माना जाता है कि प्रांत में लोगों का गायब होना इस्लामाबाद की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद विद्रोह को कुचलना तो है ही साथ ही असहमति को दबाना और राष्ट्रवादी भावना तथा स्वतंत्र बलूचिस्तान के समर्थन को कमजोर करना भी है।

गायब हुए लोगों में से कई बलूच राष्ट्रवादी समूहों के सदस्य या समर्थक हो सकते हैं जो आजादी की मांग करते हैं लेकिन इनमें से बड़ी संख्या ऐसे आम लोगों की भी है जिनका किसी राजनीतिक गुट से कोई संबंध नहीं है। वहीं, सरकार में कई लोग इस बात से इनकार करते हैं कि बड़े पैमाने पर लोगों को जबरदस्ती गायब किया जा रहा है और इसे सुनियोजित दुष्प्रचार बताते हैं।

पाकिस्तान सरकार का यह भी कहना है कि 2011 से बलूचिस्तान में लापता होने के जो 2,900 से ज्यादा मामले सामने आए हैं उनमें से लगभग 80न्न मामलों को सुलझा लिया गया है।

बिखर गई महरंग की दुनिया: अपने पिता की मौत के बाद महरंग के परिवार की दुनिया बिखर गई। 2017 में सुरक्षा बलों ने उनके भाई को हिरासत में ले लिया और लगभग तीन महीने तक उन्हें रोके रखा।

उस वक्त महरंग ने कहा था, यह बहुत डरावना था। मैंने अपनी मां को यकीन दिलाया था कि जो मेरे पिता के साथ हुआ वह मेरे भाई के साथ नहीं होगा। लेकिन ऐसा हुआ। इसके बाद ही महरंग ने जबरदस्ती गायब किए जाने और गैर-न्यायिक हत्याओं के खिलाफ लड़ने का फैसला किया।

शुरु हुई कानूनी लड़ाई: एक ट्रेंड डॉक्टर महरंग बलूच बलूच यकजेहती कमिटी के जरिए चर्चा में आई। यह संगठन जबरदस्ती लोगों को गायब करने और मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाता है साथ ही बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण की वकालत भी करता है।

उन्होंने विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया, लंबी पदयात्राएं कीं और बलूचिस्तान से उभरने वाली सबसे प्रभावशाली आवाजों में से एक बनीं। यह सब उन्होंने जान से मारने की धमकियों, कानूनी चुनौतियों और यात्रा पर लगी पाबंदियों के बावजूद किया।

2023 के आखिर में उन्होंने सैकड़ों महिलाओं के साथ राजधानी इस्लामाबाद तक 1,000 मील (1,600 किलोमीटर) की पदयात्रा की ताकि वे अपने परिवार के सदस्यों के ठिकाने के बारे में जानकारी मांग सकें। इस यात्रा के दौरान उन्हें दो बार गिरफ्तार किया गया।

2025 में महरंग की गिरफ्तारी: आखिरकार मार्च 2025 में महरंग को गिरफ्तार कर लिया गया। वह क्वेटा में एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही थीं, जो शहर में 13 अज्ञात शवों को दफनाए जाने के बाद शुरू हुआ था। आशंका थी कि ये शव उन लोगों के थे जो लापता हो गए थे।

अधिकारियों का दावा था कि ये लोग उग्रवादी थे जिन्हें बोलन दर्रे में ट्रेन हाईजैक की घटना के बाद मार गिराया गया था, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। महरंग ने चेतावनी दी कि जबरदस्ती गायब करने की कार्रवाई से विरोध को दबाने के बजाय उसे और बढ़ावा मिलता है। उम्रकैद की सजा उनके एक्टिविज्म के लिए अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है।

भारत के तीन किशोरों ने रचा इतिहास

प्लास-स्टिक से जीता दुनिया का सबसे बड़ा क्लाइमेट अवॉर्ड

जेनेवा, एजेंसी। भारत के तीन 16 वर्षीय छात्रों अव्याना मेहता, एरियाना अग्रवाल और विवान छवछरिया ने अपने अभिनव आविष्कार प्लास-स्टिक के लिए विश्व के सबसे बड़े युवा पर्यावरण पुरस्कार द अर्थ प्राइज़ का सर्वोच्च सम्मान हासिल किया। यह पहली बार है जब भारत की किसी टीम ने यह वैश्विक पुरस्कार जीता है। पुरस्कार समारोह 29 मई को लद्ग़ठुद्ग1ड्ढ में आयोजित हुआ। दुनिया भर से आए हजारों प्रोजेक्ट्स में से सात क्षेत्रीय फाइनलिस्ट चुने गए थे और लगभग 23,000 लोगों की सार्वजनिक वोटिंग के आधार पर भारतीय टीम को विजेता घोषित किया गया। पुरस्कार जीतने के बाद तीनों छात्रों ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य इस तकनीक को बड़े स्तर पर विकसित करना और भारत के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहे लोगों को इसका लाभ मिल सके।

क्या है प्लास-स्टिक ?: प्लास-स्टिक एक विशेष पाउडर है, जिसे इमली के बेकार (अपशिष्ट) बीजों से तैयार किया गया है। इस पाउडर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पानी में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक के बेहद छोटे-छोटे कणों को आपस में जोड़कर बड़े गुच्छों में बदल देता है। इसके बाद इन कणों को पानी से आसानी से अलग किया जा सकता है।

कैसे आया यह विचार?: छात्रों ने बताया कि एक दिन उन्होंने एक छोटे बच्चे को बड़े प्लास्टिक कंटेनर से सीधे पानी पीते देखा। उसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि ऐसे पानी में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।यहीं से उन्होंने ऐसा समाधान विकसित करने का निर्णय लिया जो सस्ता हो, पर्यावरण के अनुकूल हो और हर व्यक्ति तक पहुंच सके।

आइआइटी गुवाहाटी का मिला सहयोग: इस प्रोजेक्ट को विकसित करने में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के विशेषज्ञों का भी सहयोग मिला।अब तक प्लास-स्टिक के बारे में 8,000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को जागरूक किया जा चुका है।

अर्थ प्राइज़ क्या है?: द अर्थ फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित द अर्थ प्राइज़ 13 से 19 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी पर्यावरण प्रतियोगिता मानी जाती है।इस प्रतियोगिता में विजेताओं को 100,000 अमेरिकी डॉलर तक की फंडिंग, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन (मेंटॉरशिप),और अपने आइडिया को वास्तविक समाधान में बदलने का अवसर मिलता है। संस्था के संस्थापक ने कहा कि प्लास-स्टिक ऐसा समाधान है जो कृषि अपशिष्ट को उपयोग में लाकर माइक्रोप्लास्टिक जैसी वैश्विक समस्या का व्यावहारिक और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है।

शॉपिंग कर रहे लोगों की भीड़ पर जा चढ़ी कार, मच गई अफरा-तफरी, ब्रिटिश नागरिक निकला हमलावर

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के पश्चिमी हिस्से में स्थित ईलिंग ब्रॉडवे की व्यस्त शॉपिंग स्ट्रीट पर शनिवार दोपहर एक कार ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह है कि पुलिस के अनुसार किसी भी घायल की हालत फिलहाल जानलेवा नहीं है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 2ः30 बजे हुई। टक्कर मारने के बाद 34 वर्षीय सोमाली मूल का ब्रिटिश चालक घटनास्थल से भाग गया। हालांकि पुलिस ने कुछ ही देर बाद पास के ग्रेंज पार्क इलाके में उसे रोक लिया और हत्या के प्रयास तथा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

शुरुआती जांच में आतंकवाद-रोधी पुलिस भी शामिल हुई थी, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल इस घटना को आतंकवादी हमला नहीं माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और घटना के पीछे की मंशा (मोटिव) का पता लगाया जा रहा है। अधिकारी सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि सड़क पर घायल लोगों का उपचार किया जा रहा था, जबकि आसपास मौजूद दर्जनों खरीदार घबराए हुए खड़े थे। लंदन एम्बुलेंस सर्विस ने बताया कि कई एंबुलेंस, पैरामेडिक टीमें और एक एयर एंबुलेंस को भी मौके पर भेजा गया। एक घायल को मेजर ट्रॉमा सेंटर और दो अन्य को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया।

कराची में पाक रेंजर्स हेडक्वार्टर के पास आत्मघाती हमला, 4 सुरक्षाकर्मियों और 6 आतंकियों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का कराची शहर शनिवार को एक भीषण आतंकी हमले से दहल उठा। शहर के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-9 और यूनिवर्सिटी रोड के पास जोरदार धमाकों और भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इन हमलों में चार पाक रेंजर्स जवानों की मौत हो गई। जवाबी कार्रवाई में छह आतंकी मारे गए, जबकि एक आतंकी को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया।

रेंजर्स कैंप को बनाया निशाना: सूत्रों के मुताबिक, एक आत्मघाती हमलावर ने पाकिस्तान रेंजर्स के एक कैंप को निशाना बनाकर विस्फोट किया। चश्मदीदों के अनुसार, पहला धमाका बेहद शक्तिशाली था, जिसके तुरंत बाद दो और छोटे धमाके हुए। धमाकों के बाद करीब आधे घंटे तक इलाके में लगातार फायरिंग होती रही। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों की भारी संख्या ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया।

जमात-उल-अहरार ने ली जिम्मेदारी: इस भीषण हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार ने ली है। संगठन ने दावा किया है कि इस हमले में उनके 9 लड़ाके शामिल थे। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां इस हमले के पीछे प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़े गुटों के हाथ होने की भी आशंका जता रही हैं।

बचाव कार्य और सुरक्षा घेरा: हमले के तुरंत बाद कराची पुलिस और पाकिस्तान रेंजर्स ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में एंबुलेंस पहुंचीं, जो घायलों को अस्पताल पहुंचा रही हैं। बताया जा रहा है कि हमले में कई सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जांच जारी है।

अर्जेंटीना में सियासी भूचाल

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच राष्ट्रपति के सहयोगी का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के कैबिनेट चीफ और करीबी सहयोगी मैनुअल एडोर्नी ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा एक ऐसे भ्रष्टाचार मामले के बाद आया है जिसने लिबर्टेरियन सरकार को हिलाकर रख दिया है और राजनीतिक व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के उनके प्रमुख चुनावी वादे को भी कमजोर कर दिया है।

राष्ट्रपति के सबसे भरोसेमंद सहयोगी का जाना: एडोर्नी का इस्तीफा राष्ट्रपति माइली के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे उनके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों में शामिल रहे हैं। माइली के पूर्व प्रवक्ता के रूप में एडोर्नी वर्ष 2023 में उनके सख्त मितव्ययिता अभियान और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडे का प्रमुख चेहरा बनकर उभरे थे।

विवादों के घेरे में आए एडोर्नी: राजनीति से बाहर की पृष्ठभूमि रखने वाले एडोर्नी पिछले कुछ महीनों से लगातार विवादों में रहे। उन पर फिजूलखर्ची और महंगी रियल एस्टेट संपत्तियां खरीदने के आरोप लगे। पिछले वर्ष माइली ने उन्हें कैबिनेट चीफ नियुक्त किया था, जिसके बाद गवर्नरों और कांग्रेस के अन्य हितधारकों के साथ बातचीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो गई थी।

अवैध संपत्ति के आरोपों की जांच: संघीय अभियोजक एडोर्नी की कथित अवैध संपत्ति की जांच कर रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने अपनी आय से कहीं अधिक खर्च और संपत्ति अर्जित की। विडंबना यह है कि माइली और एडोर्नी स्वयं लंबे समय तक विपक्ष पर इसी तरह की फिजूलखर्ची और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे थे। हालांकि एडोर्नी ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से साफ इनकार किया है।

इस्तीफा में क्या लिखा?: माइली को लिखे अपने इस्तीफा पत्र, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा किया, में एडोर्नी ने लिखा, '10 दिसंबर, 2023 के बाद पहली बार मैं आपकी इच्छा के खिलाफ जा रहा हूं।' यह वही तारीख है जब माइली ने राष्ट्रपति पद संभाला था। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझ पर हमेशा भरोसा करने और इस अन्यायपूर्ण, पीड़ादायक तथा थका देने वाली प्रक्रिया के दौरान मेरा और मेरे परिवार का साथ देने के लिए आपका धन्यवाद।'

माइली ने किया बचाव: अब तक राष्ट्रपति माइली अपने कैबिनेट चीफ का लगातार बचाव करते रहे हैं। हालांकि इस विवाद से उनकी सरकार की छवि प्रभावित हुई है। इससे सहयोगी दलों के साथ उनकी राजनीतिक पकड़ कमजोर हुई है और महंगाई से जूझ रहे लोगों के बीच खर्च में कटौती को लेकर उनकी सरकार का संदेश भी कमजोर पड़ा है। पिछले सप्ताह स्पेन यात्रा के दौरान माइली ने स्थानीय मीडिया से कहा, 'मैनुअल निर्दोष हैं। मैं आखिरी दम तक अपने मंत्रियों के साथ खड़ा रहूंगा।'

करीना माइली ने भी जताया समर्थन: माइली के प्रवक्ता ने एडोर्नी के इस्तीफे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं राष्ट्रपति की बहन और शीर्ष सलाहकार करीना माइली ने एडोर्नी के काम की सराहना करते हुए उन्हें लिबर्टेरियन पार्टी का 'ईमानदार, मूल्यवान और बेहद प्रिय' सदस्य बताया।

निजी जिंदगी और खर्चों पर उठे सवाल: एडोर्नी की निजी जिंदगी पहली बार मार्च में विवादों में आई, जब उनकी पत्नी, जो किसी सरकारी पद पर नहीं हैं, राष्ट्रपति के विमान से उनके साथ न्यूयॉर्क में आयोजित एक सम्मेलन में गईं। इसके कुछ ही दिन बाद एक वीडियो सामने आया, जिसमें एडोर्नी अपने परिवार के साथ निजी जेट से उरुग्वे के प्रसिद्ध पुंटा डेल एस्टे बीच रिजॉर्ट जाते दिखाई दिए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, माइली के सत्ता में आने के बाद उन्होंने ब्यूनस आयर्स में एक अपार्टमेंट और शहर के बाहर एक वीकेंड हाउस खरीदा। इसके अलावा उनकी अन्य आलीशान छुट्टियों की तस्वीरें भी सामने आईं, जिनमें अरूबा की पूरी तरह नकद भुगतान से की गई यात्रा भी शामिल थी।

एक साल से जारी विरोध प्रदर्शन के बीच राष्ट्रपति वुसिक ने छोड़ा पद, सर्बिया में जल्द हो सकते हैं चुनाव

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने घोषणा की है कि वह अगले कुछ हफ्तों में अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनके इस फैसले के बाद देश में समय से पहले चुनाव होने की संभावना बढ़ गई है। पिछले एक साल से छात्र और युवा संगठन सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और जल्द संसदीय चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

इस्तीफे और चुनाव की तारीख का इंतजार: शनिवार को राजधानी बेलग्रेड में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए वुसिक ने कहा कि वह कुछ सप्ताह तक ही राष्ट्रपति रहेंगे और उसके बाद इस्तीफा दे देंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस्तीफा कब देंगे और चुनाव की तारीख क्या होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में वह अपनी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी के लिए प्रचार करेंगे और उन्हें भरोसा है कि उनकी पार्टी पहले से भी बड़ी जीत दर्ज करेगी। सर्बिया के कानून के अनुसार वुसिक लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। उनका दूसरा कार्यकाल चल रहा है और नियमित राष्ट्रपति तथा संसदीय चुनाव अगले वर्ष होने हैं। पिछले एक साल से देशभर में छात्र और युवा संगठन वुसिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वुसिक के शासन में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुई हैं और सरकार लगातार अधिक केंद्रीकृत तथा सख्त होती गई है।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण मे पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड का सफर खत्म

तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 को कहा अलविदा

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ व्हाइट फर्न्स न केवल टूर्नामेंट से बाहर हो गई, बल्कि टीम की तीन दिग्गज खिलाडी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर इस महान तिकड़ी को भावुक विदाई दी।

मेली केर ने संभाली पारी, लेकिन टीम नहीं बचा सकीं

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कप्तान सोफी डिवाइन ने 14 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद मेली केर ने 34 गेंदों में 42 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। हालांकि बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। इंग्लैंड की ओर से डैनी गिब्सन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए।

ग्रुप स्टेज में ही बाहर हुई डिफेंडिंग चैंपियन – महिला टी20 विश्व कप 2026 की विजेता बनकर उतरी न्यूजीलैंड टीम इस बार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। टूर्नामेंट का अंत न्यूजीलैंड के लिए बेहद निराशाजनक रहा।

तीन दिग्गज खिलाड़ियों का शानदार करियर हुआ खत्म – इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और तेज गेंदबाज लिया ताहुहू के टी20 इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ। मुकाबले के बाद इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर दोनों टीमों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर बनाकर इन तीनों दिग्गजों को सम्मानजनक विदाई दी, जिसने सभी क्रिकेट प्रेमियों को भावुक कर दिया।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने बनाई सेमीफाइनल में जगह – इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। टीम के लिए यह हार इसलिए भी यादगार रही क्योंकि इसी मुकाबले के साथ तीन महान खिलाड़ियों के शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

बेल्जियम ने जीता एफआईएच प्रो लीग का खिताब

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली । बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 का खिताब जीतते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नीदरलैंड्स को 2-1 से हराकर बेल्जियम ने एक मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस उपलब्धि के साथ बेल्जियम ओलंपिक में जगह पक्की करने वाली पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है।

नीदरलैंड्स को हराकर जीता दूसरा प्रो लीग खिताब – शनिवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड्स को 2-1 से मात देकर एफआईएच प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम ने अंक तालिका में ऐसी बढ़त बना ली कि एक मैच बाकी रहते ही उसे चैंपियन घोषित कर दिया गया। यह बेल्जियम का एफआईएच प्रो लीग इतिहास में दूसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2021 में पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी किया पक्का

एफआईएच प्रो लीग जीतने के साथ ही बेल्जियम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा भी हासिल कर लिया। मेजबान अमेरिका पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, जबकि बेल्जियम उपलब्ध 12 कोटा में जगह बनाने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। महिला वर्ग में प्रो लीग चैंपियन बनने के बाद पहला ओलंपिक कोटा नीदरलैंड्स की महिला टीम को मिला।

विसेंट वनाश बने प्लेयर ऑफ द मैच

बेल्जियम के गोलकीपर विसेंट वनाश को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे मुकाबले में कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच के बाद वनाश ने कहा कि टीम ने शुरुआत से अंत तक शानदार संघर्ष किया और इस जीत की पूरी हकदार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा पीढ़ी द्वारा इतिहास में दूसरी प्रो लीग ट्रॉफी जीतना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर भी खुशी जताई।

● **हेंड्रिक्स और बून ने दिलाई यादगार जीत** – बेल्जियम की जीत में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। नीदरलैंड्स की ओर से तीसरे क्वार्टर में टिजमेन रेयेंगा ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन बेल्जियम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त आखिर तक कायम रखी।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूयॉर्क । फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

● **कांगो की जीत ने रचा इतिहास** – कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

● **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत** – इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष – पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत, मेसी का छठा गोल

ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया भी नॉकआउट में पहुंचे

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-जे के दो मैच खेले गए, जिससे लीग स्टेज का अंत बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। भारत में 12 जून से शुरू हुए लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया के बीच खेला गया मैच टक्कर का रहा, जो 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों टीमों ने राउंड ऑफ 32के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि जॉर्डन का सफर ड्रॉ के साथ ही समाप्त हुआ।

कैसा रहा अर्जेंटीना बनाम जॉर्डन मैच का हाल?

डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेसी की अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से मात दी। इस मैच में पूरे मैच में अर्जेंटीना का दबदबा देखने को मिला। मैच के 24वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने शानदार गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में जॉर्डन के डिफेंस ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया, जिसके बाद अर्जेंटीना को पेनेल्टी शूट अवॉर्ड किया गया, जिसमें बिना कोई गलती किए लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा और अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

मैच में फिर जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दूसरे हाफ में उन्होंने पलटवार किया। 55वें मिनट में मूसा अल तमारी ने गोल कर स्कोर को 2-1 पर पहुंचा दिया। मेसी ने 80वें मिनट पर अपना इस विश्व कप का छठा गोल दागा और इस तरह अर्जेंटीना ने 3-1 का स्कोर कर दिया। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए। वहीं, जॉर्डन की टीम का सफर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रिया बनाम अल्जीरिया का मैच कैसा रहा?

कैंसस सिटी में खेला गया यह मैच बेहद ही रोमांच से भरपूर रहा। ये मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा, लेकिन दोनों ही टीमें राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में कामयबा रही। मैच में मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 पर पहुंचाया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल किया और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने गोल कर 2-2 स्कोर कर दिया। रियाद ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल किया अल्जीरिया को 3-2 से आगे कर दिया। ऐसा लगा कि ऑस्ट्रिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, लेकिन सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दागकर स्कोर को 3-3 कर दिया। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ और दोनों टीमों ने नॉकआउट का टिकट कटाया।